सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 151 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई,सोमवार 16 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ड्यूटी जॉइन करने जा रहे टीटीआई की ट्रेन से गिरकर मौत

साहिबगंज। मालदा रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बरहड़वा रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय टीटीआई पीके मिश्रा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वे फरक्का एक्सप्रेस से ड्यूटी जॉइन करने मालदा जा रहे थे, इसी दौरान ट्रेन से गिरने के कारण उनकी जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार, बरहड़वा रेलवे स्टेशन से डाउन फरक्का एक्सप्रेस के मालदा की ओर रवाना होने के कुछ देर बाद यात्रियों ने प्लेटफार्म संख्या दो के नीचे रेलवे ट्रैक के पास एक व्यक्ति को घायल अवस्था में गिरा हुआ देखा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे आरपीएफ के जवानों ने उन्हें तुरंत उठाकर इलाज के लिए बरहड़वा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। उस समय उनकी सांसें चल रही थीं, लेकिन अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सक डॉ. सोहेल अनवर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बंगाल में चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव, डीजीपी को हटाया, कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को नया डीजीपी बनाया है। वहीं, मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को हटाकर उनकी जगह दुष्मंत नारियाला को नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद नए कोलकाता पुलिस कमिश्नर होंगे। साथ ही जगदीश प्रसाद मीणा की जगह संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और आईजीपी (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है।

भारत में एक साल में 24 अरबपति बढ़े, लक्ष्मी मित्तल देश के चौथे सबसे अमीर बने

नई दिल्ली। फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80त्न से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस लिस्ट में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हो गए हैं।

रेलवे शुरू करने जा रहा लॉयलटी प्रोग्राम, दूरी के अनुसार यात्रियों को मिलेंगे रिवार्ड प्वाइंट, करा सकेंगे कैश

रायपुर। रेल यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे लॉयलिटी प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। इसमें अक्सर ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को प्रति किमी के हिसाब से रिवॉर्ड प्वाइंट्स दिए जाएंगे। इन्हें वह खानपान से लेकर किराये में कहीं भी कैश करा सकेंगे।

रेलवे बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार आईआरसीटीसी पोर्टल को डिजिटल वॉलेट की तरह अपडेट किया जाएगा। यात्री जितनी लंबी दूरी तय करेगा, उतने अधिक रेल प्वाइंट्स उसे मिलेंगे। प्वाइंट्स यात्री के आधार लिंक्ड आईआरसीटीसी खाते में जमा होंगे, जिससे धोखाधड़ी की गुंजाइश शून्य रहेगी। प्वाइंट्स को कैश की तरह प्रयोग किया जा सकेगा। इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अप्रैल से वंदे भारत व तेजस एक्सप्रेस प्रीमियम ट्रेनों में शुरू किया जा सकता है।

सभी में होगा लागू

सफल होने के बाद सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में लागू किया जाएगा। रेलवे का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लॉयल्टी प्रोग्राम होगा। इसमें 7000 से अधिक रेलवे स्टेशन, साढ़े तीन हजार किमी. दूरी की ट्रेनें और प्रतिदिन तीन करोड़ यात्रियों को शामिल किया जाएगा।

रिवॉर्ड प्वाइंट्स के लाभ

यात्री को टिकट बुकिंग के समय बेस किराये में छूट व प्वाइंट्स के आधार पर पूरी टिकट मुफ्त में मिलेगी। इससे रेलवे स्टेशन के लग्जरी लाउंज में भी मुफ्त आराम कर सकेंगे। ट्रेन में पसंद का मुफ्त भोजन मंगा सकेंगे। थर्ड से सेकेंड और सेकेंड से फर्स्ट एसी में टिकट अपग्रेड भी कर सकेंगे।

रेलवे के लिए वरदान

लॉयलिटी प्रोगाम बजट एयरलाइंस से मिल रही चुनौती के बीच रेलवे के लिए वरदान साबित होगा। छोटी दूरी की फ्लाइट्स और लग्जरी बसों की ओर बढ़ते यात्रियों को वापस ट्रेनों में लाया जा सकेगा। ऑफ सीजन बुकिंग के दौरान रेलवे प्वाइंट्स की वैल्यू बढ़ा सकती है, ताकि सीटें खाली न रहें।

पश्चिम एशिया तनावः विदेश मंत्री ने कहा- हमारे जहाजों को निकालने के लिए कोई समझौता नहीं

पश्चिम एशिया में 17 दिन से जारी संघर्ष, तेल संकट की आशंका के बीच सरकार का स्पष्टीकरण

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में 17 दिन से जारी संघर्ष ने वैश्विक तेल बाजार को हिला कर रख दिया है। इसका बड़ा असर हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर देखने को मिला, जिसके चलते दुनियाभर की तेल आपूर्तियों संकट के बादल तक दिखने लगे। इसी तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत ने कूटनीतिक कदम उठाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारत ईरान के साथ सीधे और निर्णायक संवाद कर रहा है, जिससे भारतीय ध्वज के साथ जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो रहा है।

जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरानी अधिकारियों के साथ सीधे संवाद ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। इसके तहत अभी कई और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को होर्मुज जलमार्ग से गुजरना बाकी है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने स्पष्ट किया कि हर भारतीय जहाज को व्यक्तिगत रूप से

अनुमति दी जा रही है और इसके लिए भारत और ईरान के बीच कोई नया समझौता नहीं हुआ है। इस दौरान जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय ध्वज वाले जहाजों के सुरक्षित आवागमन के बदले ईरान को भारत की तरफसे कोई लाभ नहीं दिया गया। उनका कहना था कि भारत और ईरान के बीच पुराना सहयोग रहा है, इसी आधार पर हमने यह कदम उठाया। यह कोई लेन-देन का मामला नहीं है।

एअर इंडिया ने दुबई की उड़ानें रद्द की, सुरक्षा कारणों से फैसला

पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इसी बीच एयर इंडिया ने सोमवार को अपने सभी दुबई उड़ानों को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की अबू धाबी, रस अल खैमाह और शारजाह के लिए निर्धारित उड़ानें पहले की तरह जारी रहेंगी। एयर इंडिया ने एक्स पर लिखा, फ्दुबई में उड़ान संचालन निलंबित। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने हवाई अड्डे से आने-जाने वाली सभी उड़ान सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस वजह से एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई आने-जाने वाली उड़ानें आज के लिए रद्द कर दी गई हैं।

ट्रंप को तेल इंडस्ट्री की चेतावनी

ईरान युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी व्यवधान को लेकर अमेरिका की दिग्गज तेल कंपनियों ने ट्रंप प्रशासन को गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सॉन के सीईओ डैरेन वुड्स ने अधिकारियों से कहा कि अगर सट्टेबाजों ने अचानक कीमतों को और ऊपर धकेला, तो तेल की कीमतें मौजूदा ऊंचे स्तर से भी आगे जा सकती हैं। उन्होंने यह भी आगाह किया कि बाजार में रिफाइंड उत्पादों की कमी की स्थिति बन सकती है।

नाटो देशों को धमकी

ट्रम्प ने रविवार को नाटो देशों को धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते हैं तो इअह्र का भविष्य बहुत खराब हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, हमारे पास नाटो नाम की एक व्यवस्था है। हम उनके साथ बहुत अच्छे रहे हैं। हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की जरूरत नहीं थी। फिर भी हमने उनकी मदद की। अब देखना है कि क्या वे हमारी मदद करते हैं।

फ्रिज में ब्लास्ट होने से मकान में लगी भीषण आग, जिंदा जली बुजुर्ग महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। के लिंगियाडीह क्षेत्र में फ्रिज में ब्लास्ट होने से देर रात एक मकान में भीषण आग लग गई। इससे 57 वर्षीय बुजुर्ग महिला जया अग्रवाल की जलकर मौत हो गई। यह दुखद घटना सरकंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई, जिसने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने का प्रारंभिक कारण फ्रिज में हुए संभावित विस्फोट को माना जा रहा है। देर रात जब पूरा परिवार सो रहा था, तभी अचानक घर के अंदर से चीख-पुकार और धुएं का गुबार उठने लगा। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते उसने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। फ्रिज में ब्लास्ट होते ही धमाके की आवाज सुनकर लोगों में हड़कंप मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चूरी में रखा गया है। बताया जाता है कि आग इतनी भीषण थी कि महिला को घर से बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया।

सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत और मैथिली ठाकुर की तस्वीर जोड़ वायरल करने वाला गिरफ्तार

गया। दरभंगा जिले के अलीनगर से भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर की एआई जेनरेटेड तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले युवक को गया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के शब्दो गांव निवासी विकास कुमार यादव को आपत्तिजनक एआई-जनरेटेड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी ने एआई टूल की मदद से एक भ्रामक तस्वीर तैयार की, जिसमें निशांत कुमार को विधायक मैथिली ठाकुर के साथ अश्लील हरकत करते दिखाया गया था। यह फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद पुलिस की साइबर और तकनीकी सेल सक्रिय हो गई। जांच के बाद गया पुलिस ने आरोपी की पहचान करते हुए शनिवार को पहाड़पुर स्टेशन के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से यह आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की थी। पुलिस द्वारा उसके खिलाफआईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

11 नक्सलियों ने ओडिशा के कालाहांडी में किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़ में थे सक्रिय, करोड़ों का था इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के अलग अलग क्षेत्रों में रहने वाले 11 नक्सलियों ने रविवार को ओड़िआ के कालाहांडी में आत्मसमर्पण कर दिया, इस समर्पण करने वालों में DVCM रैंक के नक्सली शामिल है, इनके ऊपर 1 करोड़ 34 लाख रुपये का इनाम भी शामिल घा, इन नक्सलियों ने अपने आयात हथियार भी पुलिस को सौपे है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को ओड़िशा जिले के कालाहांडी में 11 नक्सलियों

ने सरेंडर कर दिया, सरेंडर करने वालों में 1 DVCM, 4 ACM, 6 PM शामिल है, सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने 1 एके 47, चार एसएलआर ,1 इंसास,एक 12BORE व दो SINGLE SHOT हथियार भी सरेंडर किया है, सरेंडर करने वालो में कई नक्सली बस्तर के अलग अलग जिलों के निवासी है, इन सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर 1 करोड़ 34 लाख का इनाम भी घोषित था।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च तक का डेडलाइन नक्सलियों को दिया गया है, इस डेडलाइन के आने के बाद से नक्सलियों में हड़कंप मच गया, जहां कई नक्सलियों ने मुख्यधारा का रास्ता चुना तो कई नक्सलियों ने पुलिस के साथ मुठभेड़ भी किया, जहां नक्सलियों की बड़ी टीम को नुकसान भी चुकाना पड़ा, वही 3 दिन पहले बस्तर में 108 नक्सलियों आत्मसमर्पण करने के साथ ही 3 करोड़ से अधिक की नगद राशि के साथ ही 1 किलो सोना भी पुलिस को सौपा गया, जो अबतक के आत्मसमर्पण में सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मिलिट्री पाइप बैंड में छाए छत्तीसगढ़ के बच्चे, राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

मुख्यमंत्री साय ने द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल के छात्रों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल रायपुर के छात्रों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि आपकी इस उपलब्धि से न केवल आपके विद्यालय, बल्कि पूरे

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह राज्य के लिए गर्व का विषय और एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर स्कूल के संचालक सिद्धार्थ सिंह, कमांडेंट कर्नल आरके वर्मा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष शिक्षा मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के सैनिक स्कूल भाग लेते हैं। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल, रायपुर ने इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता जिला स्तर से प्रारंभ होकर राज्य स्तरीय, जोन स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित की जाती है।छत्तीसगढ़ दक्षिण जोन का हिस्सा है, जिसमें केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के सैनिक स्कूल शामिल होते हैं।

अननेचुरल-सेक्स का दबाव बनाने पर 10वीं के छात्र ने की डांस टीचर की हत्या

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में अननेचुरल सेक्स के लिए दबाव बनाने पर 10वीं के छात्र ने शिक्षक की हत्या की दी। शिक्षक नाबालिग पर लगातार दबाव बना रहा था और ब्लैकमेल कर रहा था, जिससे परेशान होकर नाबालिग ने चाकू से शिक्षक का गला रेत दिया। 56 दिनों के बाद आरोपी को हिरासत कर लिया गया है। मामला कवर्धा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शिक्षक का नाम सत्यमदास मानिकपुरी (27) है, जो वार्ड नंबर- 26 में रहता था। सत्यमदास प्राइवेट स्कूल में डांस टीचर था। सत्यमदास ने नाबालिग छात्र से संबंध बनाए थे। लगातार वह संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था। दबाव से परेशान छात्र ने 17 जनवरी को नर्सरी के पीछे सत्यमदास की हत्या कर दी। गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने करीब 5 हजार मोबाइल नंबरों सर्च किया।

ओडिशा के एससीबी मेडिकल कॉलेज में भीषण आग, 10 मरीजों की मौत, 11 कर्मचारी भी घायल

कटक ए.। ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोमवार तड़के 3 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इस दौरान अस्पताल के 11 कर्मचारी भी घायल हो गए हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। घटना की सूचना के बाद सीएम मोहन चरण मांझी सुबह घायलों को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया है।

ओडिशा के कटक में सोमवार तड़के एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। ओडिशा के कटक शहर में सीएम श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज में भीषण आग लगी। आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के ढ्ढष्ट में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने

में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए। इस घटना में अब तक 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज कटक का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां पूरे राज्य से लोग इलाज करवाने के लिए आते हैं।

मामले को लेकर एक अधिकारी ने बताया, आग अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग के आईसीयू में भड़की थी और देखते ही देखते आग ने बड़ा रूप ले लिया। यहां उन मरीजों का इलाज चल रहा था जिनकी हालत बहुत गंभीर थी। 7 मरीजों की मौके पर मौत हो गई और 3 की इलाज के दौरान। मरीजों को बचाते हुए 11 कर्मचारी भी झुलस गए है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत अस्पताल पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने अभियान चलाकर आग पर काबू पाया।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी पहुंचे अस्पताल

हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां के हालात का जायजा लिया और भर्ती मरीजों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मौके से ही 25-25 लाख रुपए के मुआवजे का एलान किया है।

संपादकीय

वांगचुक की रिहाई

लोकतंत्र में आंदोलनों की भूमिका का प्रश्न

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने कई बार अनशन किया। पदयात्रा के जरिये दिल्ली पहुंचकर भी उन्होंने अनशन किया था। लेकिन सितंबर में आंदोलन के हिंसक होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं केंद्र सरकार की दलील है कि क्षेत्र के लोगों की मांगों का समाधान निकालने के लिये लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लद्दाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है। वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके ठंडे प्रदेश लद्दाख से 1400 किमी दूर गर्म प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खराब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है। वहीं सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे। वहीं विपक्षी कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि वांगचुक को 170 दिन हिरासत में रखने का हिसाब कौन देगा? वे इस मामले में केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। अन्य विपक्षी दल भी इस रिहाई के बाद केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के बेजा इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि लद्दाख के पर्यावरण व हक की मांग उठाने की कीमत वांगचुक ने चुकाई है।

> “ गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था।

हर व्यक्ति या परिस्थिति में ईश्वर को अवश्य ढूंढिए

पं. विजयशंकर मेहता

जिस दुनिया को हम जानते हैं, उससे भी ज्यादा अनजानी दुनिया है। मैं इन दिनों चार देशों- फिनलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे और स्वीडन की यात्रा पर हूं। यहां मेरे प्रवचन चल रहे हैं। जितने लोगों से मिलता हूं, जितने दृश्य देखता हूं, लगता है कि हरेक के भीतर एक नई दुनिया है।

जो कुछ इस उम्र में हमने जाना है, देखा है, उससे कई गुना अनदेखा रह गया। इसलिए जीवन में आने वाला हर दृश्य और हर व्यक्ति परमात्मा का प्रसाद मानकर स्वीकारा जाए। ईश्वर हमें बहुत कुछ सिखाने के लिए नया-नया दिखाता है। तुलसीदास जी ने एक पंक्ति लिखी है- निज प्रभुमय देखहिं जगत् केहि सन करहिं बिरोध। इस सारे जगत को मैंने अपने ईश्वर जैसा देखा है तो फिर किससे विरोध करें? अगर किसी दृश्य को देखकर अच्छा लग रहा है तो मानकर चलिएगा उसमें ईश्वर बसा है। दु:ख आए तो अपने दोष ढूंढना, सुख आए तो ईश्वर की कृपा मानना। नए दृश्य और नए व्यक्ति मिलें तो समझना कहीं न कहीं भगवान ही मिला है, नए का आनंद और बढ़ जाएगा।

एक रोशन पंजाब के लिए आगे की राह

ज्योति मल्होत्रा

एक बड़ी रैली करके भाजपा ने पंजाब में चुनावी बिगुल फूंकते हुए अपनी दावेदारी जाहिर कर दी। अब फैसला पंजाब के मतदाता को लेना है। वहीं यदि आम आदमी पार्टी पंजाब में दोबारा जीत हासिल करना चाहती है, तो उसे महज़ 'दिखावा' करने से कहीं ज़्यादा कर दिखाना होगा। यूं भी यह सरहदी सूबा इसलिए खास है कि दिखावेबाजी में रुचि नहीं।

गत सप्ताह की शुरुआत में, मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं की गूंज पंजाब विधानसभा में सुनाई दी। यहां भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। निश्चित रूप से ऐसा पहली बार हुआ। यकीकन, प्रस्ताव पारित करने की बात तो छोड़ें, विदेश नीति पर उपदेश देना विधानसभाओं का काम नहीं। लेकिन इन दिनों राजनीति में इतनी कड़ुवाहट है कि ख्यात आर्किटेक्ट ली कॉर्बूजिए द्वारा डिजाइन की गयी पंजाब विधानसभा की शानदार इमारत भी सड़कछाप शोरगुल से बच नहीं पाई।

पंजाब में शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने एक बड़ी रैली की। भाजपा ने इस बेहद महत्त्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य में चुनावी बिगुल फूंकते हुए अपनी दावेदारी का मंसूबा जाहिर कर दिया। एक साल से भी कम समय में यहां नई सरकार बनेगी। ऐसे में भाजपा खुद से -और पंजाब से- सवाल कर रही है कि वह उस काम को क्यों नहीं कर सकती जो अब तक सोच से परे था यानि पंजाब को 'केसरिया' रंग में रंग देना। केसरिया रंग यानी बलिदान का रंग- एक जाना-पहचाना और प्रिय, खासकर सिखों के लिए।

अब तक पार्टी की हालत 6-7 विधायकों तक सीमित रही है। भले ही अमित शाह लेनिन के उस कथन से प्रेरणा लेने की कोशिश करें :'मुझे सत्ता सेंट पीटर्सबर्ग की सड़कों पर पड़ी मिली, उसे उठा लिया' और यूं क्रांति लाने में कामयाब हुए-लेकिन भाजपा, कम से कम फिलहाल, पा रही है कि 'पांच नदियों की धरती' (अब तीन) के लोग कुछ अलग किस्म के हैं।

निस्संदेह, पंजाब तमाम चुनौतियों से रूबरू है। नशे के भंवर से निकलने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता। इस बारे मेरी सहयोगी अपर्णा बनर्जी की दोआबा क्षेत्र के मैहतपुर में 19 वर्षीय लड़के की मौत की निराशाजनक रिपोर्ट ज़रूर पढ़ें, महज पंद्रह दिनों में नशे के कारण जान गंवाने वाला वह तीसरा व्यक्ति था। इसके अलावा, आयेदिन विदेश स्थित गैंगस्टरों के गुर्गों द्वारा पंजाब में दिनदहाड़े अपने दुश्मनों को मारने की खबरें आती रहती हैं।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने सभी वित्तीय सावधानियां ताक पर रख एक ऐसा बजट पेश किया, जिसमें हरेक को कुछ न कुछ देने का वादा किया गया है- इसमें महिलाओं के लिए हर माह 1000 रु. प्रति माह (राज्य की 3 करोड़ जनसंख्या की एक-तिहाई अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रु.) देने की बात कही है। इसे बतौर 'ब्रह्मास्त्र' देखा जा रहा है। मगर इतना धन कहां से आयेगा। पंजाब पर पहले ही 4.17 लाख करोड़ रु. कर्ज है व ब्याज अदायगी में ही 1.16 लाख करोड़ खप जाते हैं, वहीं इस राज्य का जीडीपी दूसरे सबसे निचले स्थान पर है।

बड़ी सफाई से, सिर्फ़ महिलाओं पर केंद्रित यह दांव सीधे प्रधानमंत्री मोदी के तरकश से लिया गया आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यह दांव अच्छी तरह सीख लिया। समस्या यह कि पंजाब की आर्थिक हालत खराब है। गत सप्ताह के आखिर में मोहाली में हुआ 'निवेश शिखर सम्मेलन' शायद देर से आयोजित किया, बेशक इसका मकसद अच्छे वादे हैं। बदकिस्मती से, आप ने देश-विदेश में खुद को नये सिरे से खड़ा करने की काबिलियत रखने वाले पंजाबी उद्यमियों के अनुभव का फायदा नहीं उठाया याद रहे, नवर्निर्माण करने में कनाडा की 2 करोड़ आबादी पंजाब का 24वां जिला बन सकता है। जबकि,पिछली कांग्रेस सरकार के 'पंजाब इनोवेशन मिशन' में कुछ बेहतरीन विचार शामिल थे। अफ़सोस कि मौजूदा मिशन पिछले वाले की परछाई भर है; क्योंकि भगवंत मान की नौकरशाही नए सिरे से सब कुछ करने में इतनी उलझी रही कि उसे अतीत केअच्छे विचारों पर सोचने का समय नहीं बचा।

और यहां भगवंत मान हैं। कुछ दिन पहले लुधियाना में दिए गए एक भाषण में महिलाओं पर की गई अपनी सतही टिप्पणियों के लिए मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना हुई; भले ही यह कहा जाए कि वे तो अपनी युवावस्था की शरारतों को याद कर रहे थे, लेकिन कम भद्दे शब्द भी प्रयोग किए जा सकते थे (जहां तक कांग्रेसी सुखपाल खैहरा द्वारा 1000 रुपये महिला भत्ते को 'नाचने वाली औरतों' से जोड़ने की बात है, पार्टी को तुरंत उन्हें कालापानी भेज देना चाहिए, जहां पर वे पश्चाताप करें और माफी मांगें आगे, उन्हें पंजाब की महिलाओं के कोप से सावधान रहना होगा)।

पंजाब के तमाम मर्दों को, खैहरा सहित, मालूम हो कि ये 'नाचनेवालियां' ईमानदारी से दिनभर काम करती हैं, और किसी की भीख या खैरात पर निर्भर नहीं हैं। जहां तक सवाल है कि कौन किस 'कठपुतली नचाने वाले' के इशारे पर नाच रहा है तो इसका फैसला अभी होना बाकी है और यह फैसला जनता करेगी; न सिर्फ़ अगले साल पंजाब में, बल्कि इस साल पश्चिम बंगाल, असम और केरल में भी। लेकिन बात फिर से भगवंत मान की। अपने हीमोग्लोबिन जांच के लिए उनके बार-बार अस्पताल जाने से भौंहें तनती हैं- क्योंकि पंजाब का हीमोग्लोबिन स्तर तो काफी समय से ऊंचा ही बना हुआ है। राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का उनका वादा बेमौसम की इस गर्मी में मृगतृष्णा जैसा लगता है इसमें किसी अन्य द्वारा कहे 'न खाऊंगा न खाने दूंगा' युग की अनुगूंज सुनाई देती है। जहां तक बात दिल्ली के प्रभाव की है तो पंजाब जीतने योग्य बहुत बडा ईनाम है; इसे कभी भी 'दिल्ली दरबार' के आगे झुकना पसंद नहीं रहा, और यही वजह है कि पूरे राजनीतिक वर्ग में 'वापसी की यात्रा' की इतनी ज़्यादा मांग है।

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के दिल्ली वाले नेता यह बुनियादी सच अच्छी तरह समझते हैं। पंजाब की सत्ता, दिल्ली में मिली हार का कोई 'सांत्वना पुरस्कार' नहीं, और न ही यह पूरे देश में पार्टी को फिर से खड़ा करने की कोई धुरी है। इस राज्य के लिए महत्वपूर्ण रहे स्वाभिमान के अहसास को देश के बंटवारे ने गहरा ज़ख्म दिया, आतंकवाद ने नुकसान पहुंचाया, और फिर राजनीतिक एवं आर्थिक ,दोनों ही स्तरों पर, निवेश की निरंतर कमी ने इसे और भी कमज़ोर किया। यदि आम आदमी पार्टी पंजाब में दोबारा जीत हासिल करना चाहती है, तो उसे महज़ 'दिखावा' करने से कहीं ज़्यादा कर दिखाना होगा और इसमें महिलाओं के लिए हर माह मिलने वाले 1000 रुपये भी शामिल हैं।

जैसा कि देश के दूसरे हिस्सों में भाजपा ने जातिवादी वोट बैंक के तोड़ में महिलाओं का 'वोट बैंक' बनाने में इतना मुफ्त का धन बांटा है कि उतने में पंजाब का कर्ज़ चुकाया जा सकता था याद रखना चाहिए कि महिलाएं लाभार्थी या कोई खैरात पाने वाली नहीं या फिर एक 'कोख' मात्र नहीं, जिनसे 'वीर पुरुष' पैदा होते हैं- इनमें कुछ शब्द वे हैं जो गत सप्ताह पंजाब विधानसभा में गूंजे, वे न केवल कानों को चुभने वाले थे बल्कि गहरी पितृसत्तात्मक सोच भी दर्शाने वाले भी है। पंजाब इसलिए खास है क्योंकि उसे सिर्फ़ दिखावे में कोई दिलचस्पी नहीं। जब कुछ ही महीनों में राज्य में चुनाव होने वाले हैं, जॉन एफ़ केनेडी के शब्दों में कुछ फेरबदल कर कहें तो 'मत पूछिए कि पंजाब आपके लिए क्या कर सकता है, बल्कि यह कि आप पंजाब के लिए क्या कर सकते हैं'। यही वजह है कि अमित शाह की रैली पर निगाहें रहीं।

1990 के दशक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनके दाहिने हाथ एवं पूर्व वित्त सचिव रहे मोंटेक सिंह आहलूवालिया वे दो पंजाबी, जिन्होंने देश के आर्थिक सुधारों की अगुवाई की और राष्ट्र की दिशा बदल दी। उन्होंने मुझे भाई गुरदास रचित 'वार' का यह श्लोक भेजा था, जिसकी श्लाघा स्वयं गुरु अर्जन देव भी करते थे:'सतगुर नानक प्रगटेया...मिटी धुंध जग चानन होएया' अर्थात गुरु नानक प्रकट हुए, अज्ञान की धुंध छंटी और दुनिया ज्ञान के प्रकाश से नहा उठी!

यदि पंजाब को फिर से रोशनी में नहाना है, तो आगे की राह स्पष्ट है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

कुछ एआई-प्रूफ कॅरिअर हैं- क्या आपका काम भी इस सूची में शामिल है?

एन. रघुरामन

अगर आप सोमवार की सुबह ऑफिस में प्रवेश कर रहे हैं और अपना साप्ताहिक कामकाज शुरू करने के लिए कंप्यूटर ऑन करने वाले हैं तो आपको चेतावनी दे दूं कि एआई आपकी नौकरी के पीछे पड़ा है। यह मैं नहीं कह रहा, बल्कि माइक्रोसॉफ्ट में एआई हेड मुस्तफा सुलेमान मानते हैं कि अगले 12 से 18 महीनों में ही ज्यादातर व्हाइट कॉलर काम ऑटोमेटेड हो जाएंगे। इस क्षेत्र में कुछ डराने वाले घटनाक्रम हो रहे हैं।

एंथ्रोपिक नामक कंपनी को ही लीजिए। इसे 2021 में डारियो अमोडेई (सीईओ), डेनिएला अमोडेई (प्रेसिडेंट) और उनकी पांच सदस्यीय टीम ने शुरू किया था। इसके संस्थापक पहले ओपनएआई में काम करते थे, लेकिन कंपनी की दिशा को लेकर, खासकर एआई सुरक्षा और इसके व्यवसायीकरण को लेकर मतभेदों के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया।

एंथ्रोपिक को एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन (पीबीसी) के रूप में स्थापित किया गया, जिसका फोकस एआई सेफ्टी एंड रिसर्च पर था। इसका लक्ष्य भरोसेमंद और नियंत्रित हो सकने वाले एआई सिस्टम बनाना था। यह कंपनी लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स की क्लॉड फैमिली विकसित करने के लिए सुप्रसिद्ध है।

लेकिन इसी महीने एक चौंकाने वाली घटना हुई। कैम्ब्रिज से कंप्यूटर इंजीनियरिंग और ऑक्सफोर्ड से टेक्नोलॉजी में पीएचडी करने वाले कंपनी के सीनियर डेवलपर मृणांक शर्मा ने यह कहते हुए नौकरी छोड़ दी कि दुनिया खतरे में है। शर्मा अब पोएट्री में डिग्री लेने की सोच रहे हैं। इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि आखिर कौन से कॅरिअर भविष्य में सुरक्षित हो सकते हैं। कुछेक यहां पेश हैं। हाथों की कुशलता पर आधारित सारे काम फिलहाल सुरक्षित हैं। नर्स, शिक्षक, वेटर, हेयरड्रेसर, किसान, शेफ फिजियो, आंत्रप्रेन्योर, पत्रकार और पशु चिकित्सक का काम अगले कुछ दशकों तक सुरक्षित दिखाई देता हैं।

हम सोचते थे कि रोबोट ऐसे काम कर लेंगे, लेकिन आज तक ऐसा रोबोट नहीं बना, जो चाय गिराए बिना कप उठा सके। कुछेक शुरुआती किचन रोबोट हैं, लेकिन वे मदद से ज्यादा मनोरंजन का साधन लगते हैं। पांच दशक पहले अनुमान लगाया गया था कि टीचिंग मशीनें शिक्षकों की नौकरियां ले लेंगी। लेकिन वे विफल हुईं, क्योंकि वे गणित और वर्तनी जैसी बुनियादी चीजों पर काम करती थीं। मशीनें शिक्षा के लिए अनिवार्य जिज्ञासा, चर्चा, रचनात्मकता और सोशल लर्निंग जैसी चीजें पैदा करने में असफल रहीं।

बच्चे जल्दी ऊबने और भ्रमित होने लगे। प्लानिंग डिपार्टमेंट के शिक्षकों को महसूस हुआ कि एक अच्छे टीचर के मानवीय दृष्टिकोण की नकल नहीं की जा सकती। जहां तक पत्रकारों की बात है तो एआई अभी भी पुरानी खबरों की री-पैकेजिंग ही कर रहा है और नया नजरिया देने में अक्षम है।

ये तो इंसान की ही खासियत है। एआई कभी भी जिज्ञासु, हास्यपूर्ण या नैतिक साहस रखने वाले लेखकों की जगह नहीं ले सकता। एआई कभी उनको नहीं हरा सकता, जिनके पास सांस्कृतिक समझ और घटनाक्रमों पर अपना नजरिया होता है। ये मशीनें बस साहित्यिक कचरे की बाढ़ ला सकती हैं।

आंत्रप्रेन्योरशिप पूरी तरह रचनात्मकता और ऑब्जर्वेशन स्किल पर आधारित है, जिसमें पहले मार्केट गैप और लोगों की समस्या पहचानी जाती है और फिर इसे हल करने वाला प्रोडक्ट बनाया जाता है। समझदारी से इसे प्रचारित कर बाजार में उतारा जाता है। कंप्यूटर कभी भी ब्रेड की टोस्टिंग के विविध प्रकार और आपकी पसंद के अनुसार इसे परोसने के तरीके नहीं समझ पाएगा।

पशु चिकित्सक की नौकरी एआई से सर्वाधिक सुरक्षित है। क्योंकि आप और मैं तो एआई डॉक्टर को अपनी समस्या बता सकते हैं, लेकिन हमारे कैट और डॉगी यह नहीं कर सकते। इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर और कारपेंटरों के पास भी तयशुदा तौर पर कमाई वाला भविष्य है।

विशेषज्ञों को लगता है कि घरों और कॉलोनियों में लंबी पाइपलाइनों में लीकेज ढूंढ़ने या कई पाइपों में से लीक पाइप को बदलने जैसे काम ऑटोमेट कर पाना नामुमकिन है। हॉस्पिटैलिटी भी सुरक्षित क्षेत्र है, जहां एआई आधारित रोबोट लोगों से बातचीत करने, स्पर्श करने के कारण आकर्षक और सजावटी तो बन सकते हैं- लेकिन इंसानों की जगह कभी नहीं ले पाएंगे।

फंडा यह है कि यदि आप एआई को हरा नहीं सकते तो उसे ज्वॉइन कर लो। मेरा मतलब है कि एआई को अपना कॅरिअर बना लो।

अंधेरे की परतों से रोशनी तलाशने का हुनर

डॉ. रेनू सैनी

समस्याएं वास्तव में वे रोशनी होती हैं जो छांव की गहरी परतों के अंदर छिपी रहती हैं। जो छांव की उन गहरी परतों को भेदने का साहस कर लेते हैं, वे संपूर्ण आलोक को अपने अंक में पाते हैं।

इंसान एक ऐसा प्राणी है जो छोटी-सी समस्या के आगे भी हथियार डाल सकता है। वहीं अगर उसकी आंतरिक क्षमता जाग्रत हो जाए तो वह बड़ी से बड़ी समस्या को भी अवसर बना कर दुनिया के सामने ऐसी रोशनी बना कर प्रस्तुत करता है कि लोगों की आंखें चौंधिया जाती हैं। जापान के लोग केवल अपनी जीवनशैली से ही दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत नहीं करते हैं, वरन वे जापानी शब्दावली से भी लोगों को प्रेरित और उत्साहित करते हैं। 'कोमोरेबी' एक बहुत ही खूबसूरत और गहरा जापानी शब्द है। इसका अन्य भाषाओं में ऐसा कोई अनुवाद देखने को नहीं मिलता है। यह शब्द केवल एक दृश्य का वर्णन नहीं करता, बल्कि जीवन के उन पड़ावों का जिक्र करता है, जिनके बीच से सकारात्मक पहलुओं को ढूंढ़कर जीत की नींव रखी जाती है।

कोमोरेबी का अर्थ हुआ-पेड़ों के पत्तों के बीच से छनकर आती हुई सूरज की रोशनी। यह शब्द उस जादुई दृश्य को बताता है जब जंगल या पेड़ों के झुरमुट के नीचे ज़मीन पर प्रकाश और छाया की आंख-मिचौली चलती रहती है। यह दृश्य अक्सर प्रकृति की उस सुंदरता को भी प्रदर्शित करता है जिसे व्यक्ति जीवन की भागदौड़ में अक्सर अनदेखा कर देता है। जब पृथ्वी पर पेड़ों और पत्तों के बीच से धूप खनकती है और झरती है तो वह दृश्य अत्यंत मुग्ध करने वाला होता है। इस दृश्य का अत्यंत खूबसूरत सार है कि जब भी जीवन में तिमिर या अंधकार छा जाता है तो कहीं दूर से एक किरण उस तिमिर को दूर कर देती है और यह विश्वास दिलाती है कि रुको मत, बस निरंतर चलते रहो। अपनी मेहनत और विश्वास के बल पर निरंतर चलने रहने से पत्तों के झरोखों से झांकती सूर्य की धूप एक दिन पूरे जगत में ऐसी दीप्ति फैलाएगी कि राहें सुनहली हो जाएंगी। कोमोरेबी को ही अपना हथियार बनाकर मैरी के. ऐश ने महिलाओं के लिए ऐसी सुनहरी राहें बनाई कि कई महिलाओं के लिए उद्यमी बनने के रास्ते खुल गए।

मैरी के. ऐश अत्यंत मेहनती थी। उन्होंने एक कंपनी में मन लगाकर कार्य किया। जब प्रोन्नति की बात आई तो इस महिला को छोड़कर एक जूनियर पुरुष कार्मिक को प्रमोशन दे दी गई। दुखदायी बात यह थी कि उस पुरुष कार्मिक को मैरी ने ही दो वर्षों तक सिखाया था। अब वह न केवल उससे उच्च पद पर था, अपितु उससे दोगुना वेतन भी प्राप्त कर रहा था। यह देखकर महिला अपमान और क्षोभ से ग्रसित हो गई। पहले वाली कंपनियों में भी उनके साथ ऐसा ही भेदभाव हुआ था। आखिर 45 साल की आयु में इन्होंने नौकरी छोड़ दी और कुछ ऐसा करने का निर्णय लिया जो पुरुषों के सामने एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करे और महिलाओं को इस भेदभाव से मुक्ति दिलाए। इन्होंने एक पुस्तक लिखने का निर्णय किया। जब वे लिखने लगीं तो उन्हें महसूस हुआ कि केवल पुस्तक लिखने भर से या पुस्तक में सलाह देने से कुछ नहीं होगा। इसके लिए उन्हें खुद कुछ ठोस कार्य करना होगा।

आखिर वह क्या हो सकता है? काफी सोच-विचार कर उन्होंने स्वयं एक ऐसा संगठन खड़ा करने का निर्णय लिया जहां पर महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर काम, तनख्वाह और सम्मान मिले। वर्ष 1963 में इन्होंने अपनी सारी जमा-पूंजी लगाकर मैरी के कॉस्मेटिक्स नाम से कंपनी बनाई। उसमें इन्होंने पहले स्टोर पर नौ महिलाओं को काम दिया। इनकी कंपनी सीधे ग्राहकों के घर जाकर उन्हें सौंदर्य उत्पाद दिखाती और बेचती। पत्तों से झरती धूप-छांव की तरह वे निरंतर काम करती रहीं। सफलता की एक छोटी सी किरण उन्हें प्रोत्साहित करती रही कि कुछ ही समय में वे आकाश के सूर्य की तरह चमकेंगी।

देखते ही देखते कुछ सालों में उनका कारोबार तीस से अधिक देशों में फैल गया और उनके हाथों में आठ लाख सेल्सकर्मियों की कमान आ गई। इन्होंने गुलाबी रंग को अपना ब्रांडिंग बनाया और सेल्स में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को 'गुलाबी कैडिलैक' कार इनाम में देनी शुरू की। फलस्वरूप कामयाबी उनके कदम चूमने लगी। जो पुरुष पहले उन पर व्यंग्य करते थे, वे उनकी कंपनी से जुड़ने के लिए लालायित होने लगे। मैरी के. ऐश ने अपनी मेहनत और जुनून से साबित कर दिया कि एक महिला जब ठान ले तो वह आसमान को अपने कदमों पर ला सकती है और पूरे फलक में अपनी गहरी पैठ बना सकती है।

समस्याएं वास्तव में वे रोशनी होती हैं जो छांव की गहरी परतों के अंदर छिपी रहती हैं। जो छांव की उन गहरी परतों को भेदने का साहस कर लेते हैं, वे संपूर्ण आलोक को अपने अंक में पाते हैं। मैरी के. ऐश ने अनेक कंपनियों में भेदभाव का सामना कर टॉमस जे. वॉटसन की इस बात को सही साबित कर दिया कि, 'यहां बहुत तरह की समस्याएं नहीं हैं। समस्या बस एक ही है। हममें से कुछ लोग अपने ग्राहकों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।'

जॉर्ज नॉर्डनहोल्ट का भी यही कहना है कि, 'समस्या चाहे कितनी ही बड़ी और मुश्किल क्यों न हो, समाधान की ओर एक छोटा कदम उठाकर हम दुविधा से मुक्ति पा सकते हैं।'

खूब भाषाएं सीखिए

देशवासी जितना हो सके अपनी भाषा के अलावा दूसरे प्रांतों की भाषा को भी सीखें। इंसान तो जितनी भाषाएं सीख सके, उतना ही अच्छा है। हिंदी भाषी तमिल सीखे। कन्नड़ भाषी पंजाबी जाने। बांग्ला बोलने वाला पंजाबी समझे। ओडिशा में रहने वाले के लिए भोजपुरी समझना मुश्किल ना हो, तो एक दूसरे को समझने का मौका और भाईचारा बढ़ने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में भी निश्चित तौर पर बढ़ोतरी होगी।

संस्कृत हजारों साल पुरानी भाषा है। विडंबना है कि उसी के बारे में तमिलनाडु के नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि 'संस्कृत एक मृत भाषा है।' ऐसे कुंठित और पूर्वाग्रही लोग अपने हित, अपने स्वार्थ के लिए देश, समाज, धर्म, भाषा को बदनाम करते ही रहते हैं। अपनी-अपनी भाषा बोलने वाले भी उसे श्रेष्ठ तथा दूसरी को हीन बताने लग जाएं तो? हमें तो गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी समृद्ध और सक्षम भाषाएं हैं।

संस्कृत ऐसी 'परिमार्जित' भाषा है जिसे भारत के प्राचीन ऋषियों ने अपने विचारों को बेहद सटीक और परिष्कृत तरीके से लोगों तक पहुंचाने के लिए विकसित किया था। संस्कृत वेदों, उपनिषदों और भगवद्गीता सहित भारतीय साहित्य के कई महान कार्यों की भाषा रही है। आज वैज्ञानिक इसे कम्प्यूटर और एआई के लिए सबसे उपयुक्त भाषा मानते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में हजारों लोग अभी भी संस्कृत को अपनी मातृभाषा के रूप में प्रयोग करते हैं। संसार की सबसे पुरानी दो भाषाएं हैं, पहली संस्कृत तथा दूसरी तमिल।

शोध बताते हैं कि संसार में हाल के वर्षों में संस्कृत के अध्ययन में लोगों की रुचि और ध्यान बढ़ रहा है, क्योंकि दुनिया भर के लोगों में इसके सांस्कृतिक महत्व में दिलचस्पी बढ़ी है। क्या किसी का ध्यान एक ऐसी विदेशी भाषा की तरफ भी गया है जिसे हमारे देश में कोई नहीं जानता, फिर भी उसका उपयोग धड़ल्ले से डॉक्टरों के नुस्खों में होता है, जिसे समझना आम इंसान के वश की बात ही नहीं है। जिसे तकनीकी रूप से एक मृत भाषा मान लिया गया है।

जिसे अब कोई भी अपनी पहली भाषा (मातृभाषा) के रूप में नहीं बोलता। जी हां, लैटिन। इस भाषा का अपने देश में क्या औचित्य है, कोई नहीं बता सकता! फिर भी जो चला आ रहा है, वह चला आ रहा है। स्टालिन जैसे लोग इसका विरोध क्यों नहीं करते? या फिर अपनी भाषा को दूसरे राज्यों में पढ़वाने के लिए उद्यम क्यों नहीं करते?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-: 9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दुर्ग की सभी पानी टंकियों में लगाए जाएंगे मीटर गेज

दुर्ग। विश्व जल दिवस पर आयोजित जलकार्य समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि जल प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए सभी जल टंकियों में पानी के स्तर की सही जानकारी के लिए मीटर गेज लगाए जाएंगे ताकि जल वितरण व्यवस्था को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सके। साथ ही जल आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए जल टैंकरों का तत्काल संधारण (मेंटेनेंस) करने तथा आवश्यकता अनुसार टैंकरों के लिए वाहन चालकों की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा गया।

कापी जांचने, नंबर जोड़ने में गलती की तो भुगतना पड़ेगा

दुर्ग। दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने का कार्य आज प्रारंभ हुआ। अब तक दोनों केंद्रों पर करीब 94 हजार कॉपियां पहुंच चुकी हैं, जबकि दूसरी खेप में लगभग 30 हजार और कॉपियां आने का अनुमान है। इस वर्ष मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। मूल्यांकन या अंकों की गणना में गलती पाए जाने पर संबंधित शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आदेश के अनुसार 20 से 40 अंकों तक की वृद्धि पाए जाने पर शिक्षक को तीन साल के लिए बोर्ड कार्य से अलग किया जाएगा। 41 से 49 अंकों की वृद्धि वाले मामलों में पांच वर्ष तक प्रतिबंध रहेगा। यदि अंतर 50 अंकों से अधिक पाया गया तो पांच साल तक पारिश्रमिक कार्य से वंचित करने के साथ-साथ एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की अनुशंसा की जाएगी। दोनों मूल्यांकन केंद्रों में कॉपियों की जांच का काम अलग-अलग किया जाएगा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में महिला आर्थिक सशक्तीकरण पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं आशा पारस फॉर पीस एंड हार्मनी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति के मार्गदर्शन में शंकराचार्य महाविद्यालय में 11-12 मार्च 2026 को महिला आर्थिक सशक्तिकरण : चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. आरके शुक्ला, निदेशक, आशा पारस फाउंडेशन ने संस्था की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा में लैंगिक समानता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण और जेंडर संवेदनशीलता से भी जुड़ा है।

कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि सशक्त नारी ही सशक्त भारत का आधार है। महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए स्वरोजगार एवं लघु उद्योग को प्रोत्साहित करने की

आवश्यकता है।

दुर्ग महापौर अल्का बाघमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु शासन की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए शिक्षा के महत्व पर बल दिया। डॉ. कुसुम त्रिपाठी ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर विचार व्यक्त करते हुए उनके श्रम और योगदान को उचित मान्यता देने की जरूरत बताई।

ज्वाइंट डायरेक्टर, रूसा एमएस गुप्ता ने कहा कि महिलाओं का सम्मान ही वास्तविक सशक्तिकरण का आधार है।

कार्यक्रम में श्री गंगाजली एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आईपी मिश्रा, कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप, दाऊ बलराम साहू, डॉ. अर्चना झा तथा डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रथम सत्र के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा आभार प्रदर्शन भूपेंद्र कुलदीप द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. नीतू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने किया।

स्वदेशी मेला देखने लोगों में गजब का उत्साह अलग-अलग उत्पाद बने आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जयंती स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित स्वदेशी मेले के तीसरे दिन लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिली। रविवार का दिन होने से लोगों की काफी भीड़ रही। एक ओर खरीदी और दूसरी ओर मनोरंजन का लोगों ने भरपूर आनंद लिया। देर रात तक लोगों का आना जाना लगा रहा। स्वदेशी मेले का खास आकर्षण यहां लगे अलग अलग उत्पादों के स्टॉल्स हैं जहां लोगों ने खरीदी का लुत्फ उठाया।

बता दें स्वावलंबी भारत अभियान के तहत स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। यहां 300 से ज्यादा उत्पादों के स्टॉल लगे हैं। हैंडिक्राफ्ट से लेकर फूड जोन, ऑटो मोबाइल से लेकर इलेक्ट्रानिक्स तक अलग अलग स्टॉल लगे हैं। पारंपरिक परिधान व वेस्टर्न आउटफिट के भी स्टॉल लगे हैं। किचन वेयर हो या सजावट, सभी के लिए यहां एक से एक वैरायटी सजी हुई है। हैंडलूम व फर्नीचर के भी स्टॉल लगे हैं। एक छत के नीचे हर प्रकार के उत्पाद मिल रहे हैं। लोगों ने स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी के साथ की मले का भी भरपूर आनंद लिया।

झूले और फूड स्टॉल बने आकर्षण

स्वदेशी मेले में एक ओर जहां लोगों को खरीदारी के लिए कई ऑप्शन्स मिल रहे हैं वहीं बच्चों के मनोरंजन का भी भरपूर ध्यान रखा गया है। यहां कई प्रकार के झूले हैं जो बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। ड्रेगन झूला, ज्वाइंट व्हील, ब्रेक डांस, टॉय ट्रेन जैसे कई झूले हैं। बड़ों के साथ बच्चों का भी भ्झरपूर मनोरंजन हो रहा है। इसके अलावा फूड जोन में भी लोगों को कई प्रकार के स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद चखने मिल रहा है। लोग व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

स्वदेशी मेले में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा की झलक भी दिख रही है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार व स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। खरीदी के बीच गीत संगीत का कार्यक्रम लोगों को सुकून दे रहा है। मेला संयोजक अजय भसीन ने बताया कि मेला का समापन 19 मार्च को होगा। उन्होंने शहर के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में आने की अपील की है।

भिलाई की बेटी स्नेहा सिंह ने इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शंकराचार्य तकनीकी विश्वविद्यालय जूनवानी भिलाई की छात्रा स्नेहा सिंह ने राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी आर्म रैसलिंग पुरुष एवं महिला चैंपियनशिप 2025-26 में कांस्य पदक जीतकर अपने विश्वविद्यालय शहर एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। भिलाई की बेटी स्नेहा सिंह का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में यह 37 वां पदक है।

यह राष्ट्रीय स्पर्धा 11 से 15 नवंबर तक अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में आयोजित थी । इस इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में पूरे देश के 29 राज्यों से सैकड़ो खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। 55 किलोग्राम वजन वर्ग से खेलते हुए स्नेहा सिंह ने 12 मार्च को यह उपलब्धि हासिल की है।

आर्म रेसलिंग खिलाड़ी स्नेहा सिंह जवाहर नगर भिलाई निवासी ओमप्रकाश सिंह की सुपुत्री हैं। विगत तीन वर्षों से वे इस खेल में लगातार सफलताएं अर्जित कर रही हैं। इसके पूर्व स्नेहा सिंह ने एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत एवं कांस्य पदक विजेता रही हैं।

बीएसपी ने सीएसआर के तहत ढाबा के प्राथमिक एवं पूमा विद्यालय को दी बाउंड्री वाल की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, ढाबा में निर्मित स्कूल बाउंड्रीवाल के निर्माण पूर्ण होने के उपरांत उसका औपचारिक हस्तांतरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएसआर विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विद्यालय प्रबंधन को हस्तांतरण विलेख के रूप में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (सीएसआर) मनोज कुमार दुबे

उपस्थित रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर उप प्रबंधक (सीएसआर केके वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर ग्राम ढाबा के सरपंच कमल नारायण साहू, विद्यालय के प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकगण सहित सीएसआर विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज कुमार दुबे ने सीएसआर विभाग और परिधीय ग्रामों के बीच सहयोग एवं विकास के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है और विद्यालय में बाउंड्रीवाल का निर्माण बच्चों की सुरक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यालय द्वारा आसपास के बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीएसआर विभाग द्वारा किए गए योगदान के लिए विद्यालय प्रशासन द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रथम ईडी (वर्क्स) डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025-26 के विजेताओं की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रथम ईडी (वर्क्स) डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025-26 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कार्यस्थल की समस्याओं के समाधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियों के उपयोग विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गैर-कार्यपालक कर्मचारियों को कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए नवोन्मेषी एवं व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। 14 टीमों ने तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किए। इनमें से 13 टीमों ने 6 एवं 7 मार्च 2026 को निर्णायक मंडल के समक्ष अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया।

मूल्यांकन के उपरांत ए एंड डी विभाग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस टीम में इंजीनियरिंग एसोसिएट सुश्री अनुराधा ध्रुव, इंजीनियरिंग एसोसिएट बी वेंकट अप्पाराव तथा इंजीनियरिंग एसोसिएट तलासमुद्रम राजेश शामिल रहे। बार एवं रॉड मिल विभाग की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें इंजीनियरिंग एसोसिएट वमशी बेहरा, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट भीमांशु कच्छप तथा इंजीनियरिंग एसोसिएट सैतान सिंह मीणा शामिल थे।

वहीं यूनिवर्सल रेल मिल विभाग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसका प्रतिनिधित्व इंजीनियरिंग एसोसिएट प्रसाद गौडू, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट संज्योति तिर्के तथा जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट सुधीर यादव ने किया। इस पहल का उद्देश्य संयंत्र के विभिन्न विभागों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना, परिचालन दक्षता में सुधार लाना, लागत में कमी करना तथा डेटा आधारित नवाचार सुदृढ़ करना रहा।

असली को मात देती फल-सब्जियां, यह है विष्णु की माटीकला का हुनर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/धमधा। 1960 के दशक तक जन्म लेने वाले बच्चों का बचपन मिट्टी के संस्पर्श में बीतता था। मिट्टी में लोटने से लेकर खोखो-कबड्डी और चिका जैसे खेल तो खेलते ही थे। गर्मियों में किसी पेड़ की छांव में बैठकर मिट्टी के खिलौने भी बनाया करते थे। विष्णु का बचपन भी कुछ ऐसे ही बीता पर मिट्टी से उनका लगाव कभी खत्म नहीं हुआ। एक शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं देने के साथ ही उसने अपने शौक को जीवित रखा और बन गया एक ऐसा कलाकार जिसकी कृतियां अचंभित करती हैं।

हम बात कर रहे हैं धमधा के अवकाश प्राप्त शिक्षक विष्णु प्रसाद ताम्रकार की। उनके घर का प्रथम तल एक संग्राहलय है। यहां देश के कई प्रमुख महानुभावों की मूर्तियां तो

हैं ही, साथ ही है फल और सब्जियों के रैक। एकदम असली जैसे दिखने वाले ये फल और सब्जियां मिट्टी की बनी हैं जिन्हें बड़ी खूबसूरती से रंगा गया है। दीवारों पर मिट्टी से खेलते बच्चों की तस्वीरें भी सजी हुई हैं।

इसे देखने का सौभाग्य हमें भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (इंटैक) के हेरिटेज वॉक के दौरान मिला। इंटैक की टोली धमधा धर्मधाम गौरव गाथा समिति द्वारा आयोजित पुरखौती विरासत भ्रमण में शामिल हुई। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो एसके पाण्डे, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसके पाटिल एवं पूर्व सदस्य सचिव राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्रो. डीएन शर्मा के नेतृत्व में यह भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। धमधा में यह आयोजन धर्मधाम गौरव गाथा समिति के संयोजक गोविन्द पटेल के सौजन्य से सम्पन्न हुआ।

धमधा के छह आगर, छह कोरी तालाबों का इतिहास देखने के बाद हम पहुंचे विष्णु ताम्रकार के निवास पर। घर में प्रवेश करते ही शीतलता का अनुभव हुआ। यहां हमारी मुलाकात ताम्रकार परिवार से हुई। पूरा परिवार इस दल के आवभगत में जुट गया। पर हम कुछ साथी प्रथम तल पर उनका संग्रहालय देखने पहुंच गए। यहां रखी मूर्तियों के साथ फोटो खिंचवाए, मिट्टी के फल और सब्जियों को हाथ में लेकर देखा और अचंभित होते रहे।

विष्णु ताम्रकार बचपन से ही मूर्ति बनाने का शौक रखते हैं। नौकरी के दौरान उन्हें मूर्ति बनाने का समय नहीं मिल पाता था लेकिन अब रिटायरमेंट के बाद भरपूर समय मिलता है। इस समय का इस्तेमाल वो अपने हुनर को आकार देने में लगाते हैं। वे चाहते हैं कि सरकार मूर्ति कला को प्रोत्साहित करे और धमधा में म्यूजियम बनवाएं।

विष्णु बताते हैं कि मूर्ति बनाने के लिए सादा मिट्टी और चूना मिलाकर घोल बनाया जाता है। इसे सांचे में सेट कर 2 से 3 घंटे के लिए छोड़ दिया जाता है। सूखने पर इन पर पेंट किया जाता है। पेंट करने के बाद धूप में रख देते हैं।

भ्रमण दल में प्रो. डीएन शर्मा, रवि श्रीवास्तव, विद्या गुप्ता, शानू मोहनन, इंटैक दुर्ग-भिलाई की संयोजक डॉ हंसा शुक्ला, कांति भाई सोलंकी, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ संध्या मदन मोहन, कमलेश चंद्राकर, डॉ महेश चतुर्वेदी, दीपक रंजन दास, डॉ अलका दास. जगमोहन सिन्हा, आदि सम्मिलित हुए।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार : साय

- चिकित्सक संगठन एवं मेडिकल छात्राओं ने मुख्यमंत्री का सम्मान कर जताया आभार
- छत्तीसगढ़ को मिली डीएम कार्डियोलॉजिस्ट की 2 सीट, लोगों को मिलेगा बेहतर इलाज का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में चिकित्सक संगठन एवं मेडिकल छात्राओं ने सौजन्य मुलाकात की और प्रदेश को डीएम कार्डियोलॉजिस्ट की 2 सीट मिलने पर उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार लगातार प्राथमिकता के साथ बेहतर कार्य कर रही है, ताकि प्रदेशवासियों को सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, जिसमें लगभग 100 से 150 सीटें थीं। आज प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 14 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं, जिनमें लगभग 1400 सीटें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, नर्सिंग सहित अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थान भी स्थापित हुए हैं, जिनका लाभ प्रदेश के विद्यार्थियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में मेडिको सिटी की स्थापना की जा रही है, जहां बड़े-बड़े सुपरस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश के लोगों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ को डीएम कार्डियोलॉजिस्ट की 2 सीट प्रदान किए जाने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर तुलसी कौशिक, डॉ. देवेंद्र कश्यप सहित जूडो और मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खास खबर

23 मार्च को मनेन्द्रगढ़ में रोजगार मेला

एमसीबी। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र मनेन्द्रगढ़ के तत्वावधान में 23 मार्च 2026 को रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह प्लेसमेंट कैंप जिला रोजगार कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा, जहां निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस रोजगार मेले में परिशराम ह्यूमन रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम (हरियाणा) द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मीटर इंस्टॉलेशन के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा तथा उनका कार्यक्षेत्र छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में रहेगा। इस पहल से जिले के आईटीआई योग्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का एक बेहतर और सशक्त अवसर मिलेगा। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह रोजगार मेला पूरी तरह नि:शुल्क है।

राशन कार्डों की कटौती को लेकर सूची तैयार, खाद्य विभाग की जांच जारी

बिलासपुर। जिले में राशन कार्डों के नवीनीकरण और पात्रता की जांच का अभियान तेजी से चल रहा है। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक ही पहुंचे। जिले में पांच लाख से अधिक राशन कार्ड दर्ज हैं, जिनमें से अब तक एक लाख 40 हजार से अधिक कार्डधारकों का भौतिक और तकनीकी सत्यापन किया जा चुका है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को व्यवस्था से बाहर करना है, जो आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद गरीबों के लिए निर्धारित सरकारी राशन का लाभ ले रहे हैं। जांच अभियान के तेज होने के बाद ऐसे प्रभावशाली लोगों में हड़कंप मच गया है, जिन्होंने नियमों की अनदेखी कर राशन कार्ड बनवा रखे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा तय मानकों के आधार पर पात्रता की समीक्षा की जा रही है। नए नियमों के अनुसार, जिन किसानों के पास पांच एकड़ से अधिक कृषि भूमि है या जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं, उनके राशन कार्ड अनिवार्य रूप से निरस्त किए जाएंगे।

भाजपा मंडल कटघोरा द्वारा दो दिवसीय 'मंडल प्रशिक्षण वर्ग' का आयोजन

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' के अंतर्गत, भाजपा मंडल कटघोरा द्वारा दो दिवसीय 'मंडल प्रशिक्षण वर्ग' का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण वैचारिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 17 और 18 मार्च को आयोजित होगा। भाजपा मंडल कटघोरा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान अग्रसेन भवन, कटघोरा नियत किया गया है। कार्यक्रम में पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। वैचारिक मार्गदर्शक उपस्थित रहेंगे, जो मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे।

सिंधी समाज का इतिहास पुरुषार्थ, साहस और आत्मसम्मान का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत द्वारा आयोजित 'चन्द्र जी रात, सिंधिन जो मेलो आनंद मेलो' में शामिल हुए।इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सिंधी समाज का इतिहास पुरुषार्थ और साहस का इतिहास है। विभाजन की विभीषिका की पीड़ा सबसे अधिक सिंधी समाज ने झेली।

उस कठिन समय में आपके पूर्वजों ने अपनी संपत्ति छोड़ी, अपना घर छोड़ा, लेकिन अपना आत्मसम्मान और परिश्रम करने का स्वभाव कभी नहीं छोड़ा। शून्य से शिखर तक कैसे पहुँचा जाता है, यह सिंधी समाज ने आज पूरी दुनिया को सिखाया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तरक्की में सिंधी समाज की प्रमुख भूमिका रही है। चाहे वह चेंबर ऑफ कॉमर्स हो या प्रदेश का छोटा-बड़ा व्यापार, आपकी मेहनत से राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। आप केवल व्यापार ही नहीं करते, बल्कि हजारों लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं।भविष्य में हमने विकसित छत्तीसगढ़ 2047 का जो सपना देखा है, उसमें सिंधी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग ढाई वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के तहत किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है और लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज बी.टी.आई. ग्राउंड में जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह बताता है कि सिंधी समाज अपनी जड़ों से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। 'सिंधियत जो मेलो' जैसे आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, खान-पान और सिंधी भाषा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही उन्हें पवित्र शदाणी दरबार में संतों का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वहाँ जो स्नेह और आत्मीयता उन्हें मिली, वही अपनापन आज यहाँ भी महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज की यही एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी प्रदेशवासियों को चेट्रीचंड्र पर्व की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्य मंच से सिंधु दर्शन यात्रा का भी विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, धमतरी महापौर रामू रोहरा, छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत अध्यक्ष अमर गिदवानी, श्रीचंद सुंदरानी सहित सिंधी समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गर्मी के शुरुआती दौर में मौसम ने बदली करवट, बारिश के साथ ओले भी गिरे

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। गर्मी के शुरुआती दौर में ही मौसम ने करवट बदली है। मौसम संबंधी चेतावनी के बीच छत्तीसगढ़ में मौसम काफी तेजी से बदला है। आज कोरबा जिले में भी शाम की शुरुआत में हल्की से तेज आंधी कई स्थानों में चली है। कई स्थानों पर तेज तो कई जगह मध्यम बारिश हुई तो कुछ इलाकों में बारिश की बूंद भी नहीं गिरी।

मौसम के इस बदले मिजाज के कारण आम और चार की फसल लेने वाले किसानों को नुकसान की संभावना बनी हुई है साथ ही जिन्होंने रबी की फसल ली है, उन्हें भी नुकसान संभावित है। शहर क्षेत्र में मध्य और तेज बारिश तो ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे हैं।

कोरबा शहर क्षेत्र में पहले बूंदाबांदी और फिर मध्यम स्तर की बारिश हुई। बारिश की वजह से सामान्य जनजीवन पर असर पड़ा। इससे पूर्व आंधी-तूफान चलने के कारण लोग अपने सामानों को सहेजते,समेटते नजर आए। तेज हवा की वजह से राखड़ और कोल डस्ट की बारिश भी प्रभावित इलाकों में जमकर हुई। बालको क्षेत्र में तेज बारिश की खबर है कटघोरा इलाके में जमकर बारिश हुई है तो पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र में भी बारिश तेज दर्ज की गई। पाली इलाके में मध्यम स्तर की बारिश की सूचना है। करतला विकासखंड अंतर्गत कई स्थानों पर तेज हवाओं के चलने तो कुछ मध्यम बारिश होने के साथ-साथ ओले गिरने की भी खबर है।

बताया गया कि करतला ब्लॉक के ग्राम चाम्पा, चचिया, करतला-कुदमुरा के मध्य जमकर ओले गिरे हैं। इसी तरह कोरबा ब्लाक अंतर्गत ग्राम डीडासरई, देवपहरी बड़गांव आदि इलाकों में भी ओले गिरे हैं। यह मौसम ग्रामीणों के लिए चैंकाने वाला रहा जिसमें तेज आंधी तूफान और बारिश तो ठीक लेकिन ओले भी गिरे। लगभग एक से डेढ़ घंटे की बारिश ग्रामीण इलाकों में दर्ज की गई है।

बारिश और खासकर ओले गिरने की वजह से किसानों को नुकसान सम्भावित है। मौसम के बदले मिजाज के मध्य बिजली की भी आंख मिचैली चलती रही। शहर क्षेत्र में कुछ समय के लिए बिजली गुल करने के बाद बहाल कर दी गई तो वहीं उपनगरीय व ग्रामीण, दूरस्थ इलाकों, पाली, रामपुर करतला में घंटे भर से अधिक समय से बिजली गुल रही।

रायपुर में बढ़ने लगी गर्मी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । राजधानी रायपुर में गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। रविवार 15 मार्च 2026 को शहर का तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान करीब 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई गई है।

आज सूर्योदय सुबह 6:16 बजे हुआ, जबकि सूर्यास्त शाम 6:14 बजे होगा। शहर में नमी का स्तर करीब 30 प्रतिशत दर्ज किया गया है और वायुमंडलीय दबाव 1010 के आसपास बना हुआ है। मौसम साफरहने और तेज धूप के कारण दिन के समय गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च महीने में रायपुर में तापमान आमतौर पर 36 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि रात में तापमान करीब 22 डिग्री तक गिर जाता है। इस दौरान बारिश की संभावना बहुत कम रहती है और दिन में तेज धूप रहती है।

आने वाले सात दिनों के साप्ताहिक मौसम पूर्वानुमान की बात करें तो तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 36 से 39 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान लगभग 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया गया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है, इसलिए लोगों को तेज धूप से बचाव करने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है।

समृद्ध और सुलभ ग्रामीण भारत के लिए मजबूत आधारभूत संरचना है पुल -मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि समृद्ध और सुलभ ग्रामीण भारत के लिए मज़बूत आधारभूत संरचना आवश्यक है। पुल केवल दो छोरों को नहीं जोड़ते, बल्कि जीवन, अवसर और विकास की संभावनाओं को जोड़ते हैं। गाँवों को बाज़ार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोज़गार से जोड़ने के लिए यह संरचनाएं रीढ़ की हड्डी जैसी होती हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के विकासखंड सिमगा के ग्राम सकरी में नवापारा-सकरी-सतभांवा मार्ग निर्माण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया।

पुल-पुलियों सहित इस मार्ग का निर्माण 7 करोड़ 82 लाख 58 हजार रुपए की लागत से किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए काम कर रही है और इस बार जिले में कई महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। प्रदेश में बेहतर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे गांवों का शहरों से संपर्क और मजबूत होगा। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसानों के हित में सरकार लगातार कार्य कर रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद कृषक उन्नति योजना के तहत शेष राशि का एकमुश्त भुगतान भी होली से पहले किसानों को कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटी पूरी हो चुकी हैं।

विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष डॉ. दौलतराम पाल, जिला पंचायत सदस्य डॉ. मोहन वर्मा, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

वीबी-जी-राम-जी यूथ डिजिटल कैंपेन से युवाओं को मिलेगा अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच

वीडियो चैलेंज, ऑनलाइन क्विज और लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में मिलेगा भाग लेने का मौका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा माय भारत पोर्टल के सहयोग से राष्ट्रव्यापी डिजिटल पहल वीबी-जी-राम-जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य देश के युवाओं को ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ना है।

डिजिटल माध्यम से चलाए जा रहे इस अभियान के जरिए युवाओं को अपने गांव की सकारात्मक कहानियां, नवाचार और विकास कार्यों को देशभर के सामने लाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक युवा माय भारत पोर्टल और माय जीओभी पोर्टल के माध्यम से अपनी प्रविष्टियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। रायगढ़ जिले में भी इस अभियान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत अभिजीत बबन पठारे ने जिले के युवाओं से कहा कि यह अभियान युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य, रोजगार के नए अवसर, स्वरोजगार की पहल और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को युवाओं के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे अन्य क्षेत्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कि यह अभियान युवाओं को तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें देश के विकास की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस डिजिटल अभियान के तहत युवाओं के लिए तीन प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें भाग लेकर वे अपनी रचनात्मकता और ज्ञान का प्रदर्शन कर सकते हैं। पहली प्रतियोगिता वीडियो चैलेंज इसमें प्रतिभागियों को अपने गांव के विकास, रोजगार के अवसर, आजीविका गतिविधियों या किसी सकारात्मक पहल को दर्शाते हुए 30 से 60 सेकंड की शॉर्ट वीडियो या रील बनानी होगी। इस वीडियो को माय भारत पोर्टल पर अपलोड करना होगा, जिसकी अधिकतम फाइल साइज 25 एमबी निर्धारित की गई है। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भाग लेने का अवसर दिया गया है। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को भारत सरकार के कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

दूसरी गतिविधि ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता है। इसमें प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध अधिनियम और अभियान से संबंधित 20 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस क्विज में सफलतापूर्वक भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को ज्ञान के साथ-साथ प्रमाणपत्र भी मिलेगा। तीसरी प्रतियोगिता लोगो डिजाइन प्रतियोगिता है, जो 'विकसित भारत-जी राम जी एक्ट, 2025' के लिए आयोजित की जा रही है। इसमें प्रतिभागियों को एक आकर्षक और रचनात्मक लोगो डिजाइन करना होगा, जो अभियान की भावना और उद्देश्य को दर्शाए। इस प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो के लिए 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार रखा गया है। साथ ही चयनित लोगो का उपयोग भविष्य में इस अभियान से जुड़ी आधिकारिक प्रचार सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए जिला पंचायत कार्यालय के जिला कार्यक्रम समन्वयक (मनरेगा) शाखा रायगढ़ में संपर्क कर सकते है। जिला प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

प्रेस क्लब चुनाव में अग्रहरि लगातार तीसरी बार अध्यक्ष बने

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। प्रेस क्लब के बहुप्रतीक्षित चुनाव में सचिन अग्रहरि ने शानदार तीसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने इस बार प्राप्त मतों के मामले में शतक भी लगाया। उन्हें 148 में से 107 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कमलेश स्वर्णकार को 41 वोट मिले। चुनाव में सचिव पद पर अनिल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष पद पर बसंत शर्मा के साथ पूरा पैनल रिपीट हुआ। परिणाम की घोषणा के बाद प्रेस क्लब भवन का वातावरण ढोल और पटाखों की गूंज से उत्सव जैसा रहा।

रविवार सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक मतदान हुआ। तीन बजे से शुरू हुई मतगणना शाम पांच बजे समाप्त हुई। तीनों पदों के लिए 20-20 मतों की गणना की गई। हर चक्र में सचिन की बढ़त बढ़ती चली गई। कुल आठ दौर की गणना के बाद निर्णय 66 मतों के बड़े अंतर के साथ सामने आया। इसी तरह कोषाध्यक्ष के लिए भी मुकाबला एक तरह से एकतरफा ही रहा। लगातार दूसरी बार जीत दर्ज करने वाले बसंत शर्मा को 85 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रवि सिंह ठाकुर को 32 वोट मिले। तीसरे स्थान पर रहे प्रमोद शेंडे को 31 मत मिले। इस बार चुनाव पैनल बनाकर नहीं लड़ा गया। सभी स्वतंत्र रूप से मैदान में थे। 24 मतों से त्रिपाठी जीते, विक्रम हारे इस चुनाव में पहली बार युवाओं के प्रतिनिधि के रूप में विक्रम बाजपेयी सचिव पद के लिए मैदान में थे। उन्होंने दो बार के सचिव अनिल त्रिपाठी को कड़ी टक्कर दी। त्रिपाठी को 74 और विक्रम को 50 मत मिले। उन्हें मात्रा 24 मतों से हार का सामना करना पड़ा। जबकि अन्य उम्मीदवारों में कोई भी उनके आसपास नहीं रहा। सुरेंद्र गुप्ता 11 और योगेश शर्मा को छह-छह वोटों से ही संतोष करना पड़ा। सप्ताहभर पहले ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हुई थी। इस कारण उम्मीदवारों के पास मात्र पांच दिन का ही समय था।

कम समय में सभी पूरी ताकत झोंकी, लेकिन मतदाताओं का उत्साह ऐसा रहा कि पहली बार 93.67 प्रतिशत मतदान हुआ। अस्वस्थता और व्यस्तता के बाद भी कई मतदाताओं ने मतदान किया। इस पर सभी ने हर्ष जताया।

‘हर सीन में किस करने को कहते थे’

जरीन खान बोलीं- इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा; ‘अक्सर 2’ विवाद पर की बात

सलमान खान के साथ ‘वीर’ से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली जरीन खान की तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी। हालांकि, जरीन का करियर कटरीना जैसा सफल नहीं रहा। जबकि ‘हाउसफुल 2’ और ‘हेट स्टोरी 3’ जैसी कमर्शियल फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। लेकिन 2017 में आई ‘अक्सर 2’ बाद में विवादों में घिर गई। जरीन का दावा है कि उन्हें अपनी ही फिल्म के प्रीमियर में आमंत्रित तक नहीं किया गया था।

‘अक्सर 2’ को लेकर हुए विवाद पर की बात

हाल ही में मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट के साथ बातचीत के दौरान जरीन खान ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। ‘हेट स्टोरी 3’ के बाद के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ‘हेट स्टोरी’ करने के बाद बहुत से लोग खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे।

वे कहते थे, ‘क्योंकि वह अभिनय नहीं कर सकती, इसलिए उसने कपड़े उतारने का फैसला किया।’ जरीन ने अनंत महादेवन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मेकर्स ने शुरू में इस प्रोजेक्ट को एक स्टाइलिश नॉयर फिल्म के रूप में पेश किया था।

उन्हें आश्वासन दिया था कि इसमें ‘हेट स्टोरी 3’ की तरह बोल्ड सीन नहीं होंगे। उन्होंने बड़ी ही सधी हुई अंग्रेज़ी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, ‘हम कोई नफरत की कहानी नहीं बना रहे हैं। हम एक जॉनर नॉयर बना रहे हैं।’ मैंने सोचा, ठीक है। लेकिन सेट पर पहुंचते ही, हर दूसरा सीन या तो किस के साथ खत्म होता था या अचानक मुझे ब्रा या इसी तरह की कोई चीज पहनने को कहा जाता था।

मेकर्स जानबूझकर हर दूसरे सीन में किस या इंटिमेसी सीन करने को कहने लगे

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने उनसे कहा, ‘मुझे इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आपने मुझे बिल्कुल अलग ब्रीफ दिया था। अब सिर्फ इसलिए कि आपने वह फिल्म देखी है, आप ये सब जोड़ना चाहते हैं।’

बाद में मुझे एहसास हुआ कि निर्देशक रीढ़विहीन थे। वह निर्माताओं को कहानी का एक संस्करण बताते थे और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम डिजाइनर शाहिद आमिर को दूसरा। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, टीम के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ते गए।

मेकर्स अचानक मुझसे लगभग हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ उत्तेजक करने को कहने लगे। वो भी सिर्फ इसलिए कि मैंने पहले ऐसी एक फिल्म की थी। यह ठीक नहीं है।

इसलिए पूरी की फिल्म

हालांकि, बढ़ते तनाव के बावजूद जरीन ने फिल्म पूरी की। उनका कहना है कि मैं नखरे दिखाने वाली नहीं हू। मुझे पता है कि लोगों का पैसा दांव पर लगा है, इसलिए मैं हमेशा बातचीत करके बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हूं। लेकिन फिल्म पूरी होते-होते हालात इतने बिगड़ गए थे कि मुझे अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में भी नहीं बुलाया गया। जरीन ने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें काम करने में मुश्किल व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया था।

आखिरी बार 2021 में ‘हम भी अकेले तुम भी अकेले’ में नजर आई थीं जरीन

जरीन खान आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म ‘हम भी अकेले तुम भी अकेले’ में नजर आई थीं। इससे पहले वो ‘डाका’ (2019) और ‘अक्सर 2’ (2017) में ही दिखी थीं। फिलहाल उनके किसी आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

रिलीज हुआ ‘केडी’ का पहला गाना ‘सरके चुनर तेरी सरके’, नोरा फतेही के साथ डांस करते दिखे संजय दत्त

फिल्म ‘केडी’ का पहला गाना ‘सरके चुनर तेरी सरके’ रिलीज हो गया है। यह गाना बेंगलुरु में एक इवेंट में लॉन्च किया गया। अभिनेता संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी अपकमिंग फिल्म ‘केडी: द डेविल’ में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का पहला गाना ‘सरके चुनर तेरी सरके’ रिलीज हो गया है। इसमें संजय दत्त और नोरा फतेही नजर आए हैं।

डांस करते नजर आए नोरा फतेही और संजय दत्त

केवीएन प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुए इस गाने में संजय दत्त अलग अंदाज में डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। नोरा फतेही भी अपने चिर परिचित अंदाज में डांस कर रही हैं। गाने में विजुअल कम दिखाए गए हैं। पूरे गाने में कहीं-कहीं विजुअल्स हैं तो कहीं-कहीं फेटोज हैं।

कहां लॉन्च हुआ गाना?

गाना बेंगलुरु में मौजूद एएमबी सिनेमाघर में हुए एक इवेंट में लॉन्च किया गया। गाने का म्यूजिक अर्जुन जन्या ने कंपोज किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म ‘केडी’ 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी के अलावा रीश्मा नानाइया, वी रविचंद्रन, रमेश अरविंद और नोरा फतेही जैसे कलाकार होंगे।

फिल्म का निर्देशन प्रेम एस ने किया है। इसका निर्माण वेंकट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शन के तहत किया है। यह फिल्म हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

‘द केरल स्टोरी 2’ बनी साल की सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाली फिल्म, 15वें दिन भी खूब छापे नोट

50 करोड़ी बनने से इंचभर दूर

‘द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड’ काफी विवादों और कानूनी मुश्किलों को झेलने के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यूं तो फिल्म की शुरुआत धीमी हुई लेकिन फिर इसने देखते ही देखते बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमा लिया। हालांकि ये अपनी प्रीक्वल ‘द केरल स्टोरी’ के मुकाबले काफी कम बिजनेस कर पाई है लेकिन फिर भी ‘द केरल स्टोरी 2’ ने रिलीज के दो हफ्तों में बॉक्स ऑफिस पर दबाकर कमाई की है. यहां तक कि ये साल की अब तक की सबसे बड़ी फिलम बॉर्डर 2 को भी मुनाफा कमाने के मामले में पीछे छोड़ चुकी है. अब ‘द केरल स्टोरी 2’ की तीसरे हफ्ते में एंट्री ह गई है। जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे को कितना कलेक्शन किया है?

‘द केरल स्टोरी 2’ ने अपना दूसरा हफ्ता अच्छे नोट पर खत्म किया है। पहले हफ्ते में जहां इस फिल्म ने 23.28 करोड़ से ज़्यादा कमाए, और दूसरे हफ़्ते में इसने नॉर्मल गिरावट दिखाते हुए 16.97 करोड़ कमाए. गौरतलब है कि सिर्फ़ 28 करोड़ के बजट में बनी इस फ़िल्म ने अब तक अच्छा परफॉर्म किया है और इंडियन बॉक्स ऑफ़िस पर एक सक्सेस स्टोरी बनकर उभरी है। बता दें कि ये 2026 की सबसे ज़्यादा प्रॉफ़िट कमाने वाली बॉलीवुड फ़िल्म भी बन गई है। इसने सनी देओल की बॉर्डर 2 को पीछे छोड़ दिया है, और अब 50त्न रिटर्न देने की राह पर है। वहीं अब तीसरे फ्राइडे को भी इसने कमाल कर दिया है। दरअसल सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक ‘द केरल स्टोरी 2’ ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ ‘द केरल स्टोरी 2’ के 15 दिनों की भारत में 41.50 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं इसका टोटल ग्रॉस कलेक्शन 46.97 करोड़ रुपये हो गया है।

‘द केरल स्टोरी 2’ के पास कमाई के लिए पांच दिन और बचे हैं। उसके बाद 19 मार्च से सिनेमाघरों में रणवीर सिंह की धुरंधर 2 कहर बरपाएही। ऐसे में ‘द केरल स्टोरी 2’ की कमाई में तीसरे वीकेंड पर तेजी आने की उम्मीद है और लग रहा है कि ये आराम से 50 करोड़ का नेट माइलस्टोन पार कर लेगी। इसके लिए इसे बस बस 9 करोड़ के करीब और कमाने की जरूरत है।

द केरल स्टोरी 2 कथित तौर पर 28 करोड़ के बजट में बनी थी। इस लागत के मुकाबले, इसने अब तक 41.21 करोड़ नेट कमाए हैं, इस तरह 12 करोड़ का रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट मिला है। आगे कैलकुलेट करने पर, यह करीब 43% रिटर्न के बराबर है। इसी के साथ इसे इंडियन बॉक्स ऑफिस पर प्लस रेटिंग मिली है. वहीं 50% रिटर्न तक पहुंचने के लिए, फिल्म को कुल 42 करोड़ नेट कमाने होंगे, जो तीसरे शनिवार, 16वें दिन तक मिलने की उम्मीद है।

आम को इन 5 तरीकों से खाएं, स्वाद और सेहत दोनों का रखें ध्यान

गर्मियों में आम का स्वाद और सुगंध कुछ खास होती है। आम को फलों का राजा कहा जाता है और यह कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। आम को खाने के कुछ अनोखे और मजेदार तरीके हैं, जो आपके स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रखते हैं। आइए आम को खाने के कुछ ऐसे तरीके जानते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

आम की चटनी

आम की चटनी एक बेहतरीन विकल्प है, जो आपके खाने का स्वाद बढ़ा सकती है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को कदूकस करें, फिर उसमें हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और थोड़ा-सा गुड़ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से पीस लें। यह चटनी रोटी, पराठे या चावल के साथ बहुत अच्छी लगती है। इससे आपका खाना और भी मजेदार हो जाएगा। इसके अलावा यह चटनी आपके पाचन को भी सुधार सकती है।

आम का अचार

आम का अचार एक पारंपरिक भारतीय व्यंजन है, जो हर घर में बनता है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर धूप में सुखाया जाता है, फिर उसमें सरसों का तेल, मेथी के दाने, सौंफ और हल्दी मिलाकर धूप में रखा जाता है। यह अचार लंबे समय तक खराब नहीं होता और खाने का स्वाद बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह अचार आपके पाचन को भी सुधार सकता है।

आम का शेक

आम का शेक एक ताजगी भरा पेय है, जो गर्मियों में बहुत पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसके गूदे को मिक्सर में डालें, फिर उसमें दूध, चीनी और बर्फ डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका स्वादिष्ट आम का शेक तैयार है। यह पेय न केवल आपको ताजगी देगा बल्कि शरीर को ठंडक भी प्रदान करेगा। इसके अलावा यह पेय आपके शरीर को ठंडा रखने में मदद करेगा।

आम की कुल्फी

आम की कुल्फी एक शानदार मिठाई है, जो गर्मियों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसका गूदा निकाल लें, फिर उसमें दूध, चीनी और थोड़ी-सी इलायची पाउडर मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालकर फ्रीजर में जमने दें। कुछ घंटों बाद आपकी आम की कुल्फी तैयार होगी। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है बल्कि आपके शरीर को ठंडक भी प्रदान करती है।

आम का रायता

आम का रायता खाने का स्वाद बढ़ाने वाला एक अनोखा व्यंजन है, जिसे किसी भी भोजन के साथ खाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसका गूदा निकाल लें, फिर उसमें दही, भुना जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा चीनी मिला दें। आपका आम का रायता तैयार हो जाएगा। इन सभी तरीकों से आम को खाने पर न केवल उसका स्वाद बढ़ता है बल्कि ये आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं।

‘पति पत्नी और वो 2’ का शेड्यूल हुआ पूरा, वामीका गब्बी ने बॉस्को मार्टिस संग शेयर किया नॉस्टैल्जिक पल

बॉलीवुड अभिनेत्री वामीका गब्बी ने अपनी आगामी फिल्म पति पत्नी और वो 2 का शूट रैप कर लिया है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर कोरियोग्राफर बोस्को मार्टिस संग सेल्फी शेयर कर उन्होंने बचपन की यादें ताजा कीं, जो फैंस के लिए नॉस्टैल्जिक मोमेंट बन गया। जब वी मेट के नगाड़ा नगाड़ा सॉन्ग के सेट पर बच्चे के रूप में मौजूद रहने वाली वामीका अब उसी कोरियोग्राफर के साथ डांस कर रही हैं।

यह फिल्म 2019 की हिट पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जो खुद 1978 की क्लासिक का रीमेक थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, जबकि सारा अली खान और वामीका त्रिकोणीय लव स्टोरी का हिस्सा है। वामीका ने स्टोरी कैप्शन में लिखा, बच्चे के रूप में नगाड़ा नगाड़ा सेट पर रहने से लेकर बोस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ होने तक। इससे बेहतर रैप नहीं हो सकता! यह पोस्ट फुल सर्कल मोमेंट का प्रतीक बन गई।

वामीका का करियर तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। खुफिया, फना, ग्लोरी और हालिया भूल चुक माफ से सराहना मिली। पंजाबी मूल की वामीका ने थिएटर से शुरुआत की, फिर ओटीटी पर धमाल मचाया। पति पत्नी और वो 2 में उनकी भूमिका अनन्या पांडे वाली वो से इंस्पायर्ड लग रही है, जो कॉमिक टाइमिंग और रोमांस का मिश्रण होगी। शूटिंग के दौरान प्रयागराज में क्रू पर लोकल्स के हमले जैसी घटना भी हुई, लेकिन फिल्म आगे बढ़ी।

फैंस उनकी पोस्ट पर कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। एक ने कहा, सपनों का पीछा करने वाली लड़की की मिसाल! बॉस्को मार्टिस ने भी रिप्लाई में तारीफ की। यह फिल्म आयुष्मान की ठामा और सारा की मेट्रो इन डिनो के बाद बड़ा रिलीज होगा। वामीका की यह जर्नी युवाओं को प्रेरित करती है कि जड़ों से जुड़कर कैसे नई ऊंचाइयां छुई जा सकती हैं। रिलीज का इंतजार बढ़ गया है!

फिल्म पति पत्नी और वो 2 में वामीका गब्बी के साथ आयुष्मान खुराना और सारा अली खान भी नजर आएंगे।

खास खबर

पीएमश्री स्कूलों में बच्चों को मिल रही अध्ययन-अध्यापन की बेहतर सुविधाएं

राजनांदगांव। पीएमश्री योजना अंतर्गत संचालित पीएमश्री सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव, पीएमश्री प्राथमिक शाला कोपेडीह, पीएमश्री प्राथमिक शाला हरदी सहित जिले के अन्य पीएमश्री स्कूलों में विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन एवं सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। पीएमश्री सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम विद्यालय में वर्तमान में कुल 50 सेटअप है। यहां शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय में 3 वॉटर कूलर लगाए गए हैं। विद्यालय परिसर में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था है तथा बच्चों की खेल गतिविधियों के लिए खेल मैदान भी उपलब्ध है। साथ ही विद्यालय में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित साफ-सफाई की जाती है। इसी प्रकार पीएमश्री प्राथमिक शाला कोपेडीह में भी बच्चों के अध्ययन-अध्यापन एवं सुविधाओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कोल्ड स्टोरेज वाटर सिस्टम स्थापित किया गया है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रिंट-रिच कक्षाएं संचालित की जा रही हैं तथा सभी कक्षाओं में टाइल्स लगाए गए हैं, जिससे विद्यालय का वातावरण स्वच्छ और आकर्षक बना हुआ है।

गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें - जिला प्रशासन ने की अपील

बेमेतरा। जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरे छत्तीसगढ़ के साथ बेमेतरा जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार ने आश्वस्त किया है कि गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में अतिरिक्त गैस सिलेंडर की खरीदारी न करें। सरकारी सूत्रों के अनुसार देश की रिफाइनरियां पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं और पर्याप्त मात्रा में क्रूड ऑयल व गैस का स्टॉक उपलब्ध है। इसके चलते एलपीजी के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। साथ ही पाइप नेचुरल गैस, सीएनजी और एलपीजी की सप्लाई भी बिना किसी रुकावट के जारी है। प्रशासन ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के भीतर उपभोक्ताओं को एक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे गैस एजेंसियों में अनावश्यक विवाद या दबाव की स्थिति न बनाएं। जमाखोरी और कालाबाजारी की आशंका को देखते हुए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर उपभोक्ता अपने गैस कनेक्शन कार्ड में दिए गए टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

सपनों को उड़ान देने जरूरत होती है साहस और संकल्प की, स्कूटी दीदी एनु की उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख नहीं, साहस और संकल्प की जरूरत होती है। इसी बात को सत्य साबित किया है छत्तीगसढ के धमतरी की एक साधारण लेकिन जुझारू युवती एनु ने, जो स्कूटी दीदी के नाम से जानी जाती हैं। संसाधनों की कमी, सामाजिक दबाव और सीमित अवसरों के बावजूद एनु ने न केवल आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई।

एनु का जन्म एक सामान्य ग्रामीण परिवार में हुआ, जहाँ आर्थिक स्थिति सशक्त नहीं थी। परिवार में आय के सीमित स्रोत थे, और लड़कियों की शिक्षा को लेकर अब भी संकोच और संकीर्ण सोच (prevalent) थी। परन्तु एनु की सोच इससे बिल्कुल अलग थी। वे हमेशा कुछ नया करने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा रखती थीं। कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं के बीच भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और अर्थशास्त्र में परास्नातक (Post Graduation inEconomics) की उपाधि हासिल की। यह उपलब्धि ही अपने आप में उनके संघर्ष और लगन का प्रतीक थी।

एनु का लक्ष्य केवल डिग्री लेनी ही मंज़िल नहीं थी। एनु जानती थीं कि केवल शिक्षा से रोजगार नहीं मिलेगा, जब तक उनके पास कोई कौशल न हो। इसी सोच के साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण ने उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला मजबूत कदम उठाने का अवसर दिया। लेकिन उनका सपना सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था।

एनु का अगला कदम था -मोबिलिटी यानी गतिशीलता की। वे चाहती थीं कि खुद स्कूटी चला सकें, ताकि गांव-गांव जाकर महिलाओं से मिलें, प्रशिक्षण दें और उनके जीवन को बदलने में योगदान दे सकें, लेकिन एक ग्रामीण युवती के लिए दोपहिया वाहन चलाना समाज के लिए असामान्य बात थी। इसके लिए उन्हें न केवल आत्मसंदेह से लड़ना पड़ा, बल्कि समाज की रूढ़िवादी सोच से भी लडना पडा। यही पर 'प्रथम संस्था' (PRATHAM Foundation) ने उन्हें स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण दिया। पहले-पहले जब उन्होंने स्कूटी की चाबी हाथ में ली, तो लोगों ने ताने दिए - लड़की होकर गाड़ी चलाएगी?, क्या ज़रूरत है इधर-उधर घूमने की?, लेकिन एनु अडिग रहीं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास के साथ इन बातों को अनसुना कर, प्रैक्टिस जारी रखी और जल्द ही स्कूटी चलाने में दक्ष हो गईं।

धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास और कौशल दोनों बढ़ने लगे। अब वे गांवों में स्वतंत्र रूप से घूमने लगीं, महिलाओं से जुड़ीं, उन्हें मोटिवेट करने लगीं और अपनी यात्रा की कहानी सुनाकर उनमें भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने लगीं। यही वह मोड़ था जब उन्होंने तय किया कि अब वह खुद एक ड्राइविंग स्कूल शुरू करेंगी, ताकि अन्य महिलाओं को भी गाड़ी चलाना सिखा सकें। यह पहल ग्रामीण परिवेश में महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था।

सन 2023 में एनु अपने सीमित संसाधनों के साथ महिला दोपहिया प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की। शुरू में केवल 2-3 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया, लेकिन जल्द ही यह संख्या बढ़ती चली गई। आज उनकी पहचान पूरे ब्लॉक और जिले में स्कूटी दीदी के रूप में हो गई है।

उन्होंने अब तक 30 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से कई महिलाएं अब स्वयं स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र या बैंक जैसी जगहों पर काम करने के लिए आत्मनिर्भर रूप से आने-जाने लगी हैं। एनु की यह पहल न केवल महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता लाई है, बल्कि सामाजिक सोच को भी बदला है। अब गांवों में लोग अपनी बेटियों और बहुओं को एनु के पास भेजते हैं, यह सीखने कि कैसे वे भी अपने सपनों की सवारी कर सकती हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों ने उन्हें सम्मानित भी किया है।

हाल ही में उन्हें जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। एनु का सपना है कि वे आने वाले वर्षों में 1000 महिलाओं को ड्राइविंग सिखाएं और इसके लिए वे जल्द ही चारपहिया ड्राइविंग स्कूल भी शुरू करने की योजना बना रही हैं।

एनु का जीवन इस बात का प्रमाण है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उनकी कहानी हर उस महिला के लिए प्रेरणा है, जो समाज की जंजीरों को तोड़कर आगे बढ़ना चाहती है। स्कूटी दीदी एनु ने दिखा दिया कि सच्ची ताकत बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल और दृढ़ निश्चय में होती है।

'आओ बांटें खुशियां' पहल के तहत कर्मचारियों ने बच्चों संग मनाया जन्मदिन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल निजी उत्सव तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ के माध्यम से कर्मचारी बच्चों के साथ खुशियां साझा कर रहे हैं।

इसी पहल के तहत सहायक शिक्षक सुश्री अंजलि नेताम ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला भाटापारा बेलर, अभनपुर में विद्यार्थियों के साथ केक काटकर खुशी मनाई।

इस दौरान बच्चों को फल और पौष्टिक आहार भी वितरित किया गया। वहीं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक वैभव शर्मा ने भी आंगनबाड़ी

केंद्र और शासकीय प्राथमिक शाला धरमपुरा में बच्चों के साथ जन्मदिन मनाते हुए उन्हें फल और पोषक खाद्य सामग्री वितरित की।

इस पहल का उद्देश्य बच्चों में खुशियां बांटना और उन्हें पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है। प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ के माध्यम से शासकीय कर्मचारी समाज सेवा की भावना के साथ बच्चों के बीच सकारात्मक संदेश भी दे रहे हैं।

ओएसिस जननी यात्रा प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में भारत का भरोसेमंद नाम, ओएसिस फ र्टिलिटी अब अपनी देशव्यापी फ र्टिलिटी जागरूकता पहल ओएसिस जननी यात्रा के अगले पड़ाव के रूप में छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुँच चुकी है। इससे पहले यह यात्रा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा में कई दंपतियों तक पहुँचकर उन्हें मार्गदर्शन दे चुकी है। इस पहल का उद्देश्य टियर ।, ॥ और ।।। शहरों और क्षेत्रों में लोगों तक फर्टिलिटी से जुड़ी जागरूकता, विशेषज्ञ सलाह और शुरुआती जाँच की सुविधा को सीधे समुदायों तक पहुँचाना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आशा जैन, डायरेक्टर-एसएमएसए हॉस्पिटल और मेडिकल डायरेक्टर, कैंसर प्रिवेंशन रिलीफ सोसाइ?टी तथा डॉ. अनामिका सिंह, एमआईसी सदस्य रायपुर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने परिवारों तक प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी जानकारी पहुँचाने और समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ओएसिस फर्टिलिटी की इस पहल की सराहना की।

बदलती जीवनशैली, देर से माता-पिता बनने की प्रवृत्ति और वैज्ञानिक जानकारी की कमी के कारण फर्टिलिटी से जुड़ी चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में, ओएसिस जननी यात्रा बस के के माध्यम से लोगों को नि:शुल्क फर्टिलिटी परामर्श, नि:शुल्क एएमएच और हीमोग्लोबिन जाँच, नि:शुल्क सीमेन एनालिसिस और सुरक्षित व स्वच्छ सैंपल कलेक्शन की सुविधा दी जा रही है, ताकि दंपतियों को समय रहते सही और संवेदनशील मार्गदर्शन मिल सके। रायपुर के बाद यह यात्रा आने वाले दिनों में तिल्दा नेवरा, नुआपाड़ा, बलौदा बाजार और अन्य क्षेत्रों को कवर करेगी, जहाँ लोगों को जागरूक किया जाएगा और शुरुआती जाँच की सुविधा पहुँचाई जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा जैन ने कहा, ओएसिस जननी यात्रा प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल है, जो बेहतर फर्टिलिटी देखभाल सीधे स्थानीय समुदायों तक ला रही है।

ग्रीन समिट में शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने रखा सतत विकास का विजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2026 – Sustainable SynergyÑ Traditionally Futuristic का समापन शनिवार को गरिमामयी वातावरण में हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, मेघालय लोकायुक्त के चेयरमैन सी.पी. मारक, पीसीसीएफ वी. श्रीनिवास राव, कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला सहित कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की

शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुई। स्वागत उद्बोधन में वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि यह समिट जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई है। कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए शोध, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान को आवश्यक बताया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध वन संपदा और आदिवासी संस्कृति के कारण प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करता है। समिट में देश के विभिन्न राज्यों से आए शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने पर्यावरण, ग्रीन टेक्नोलॉजी और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मान सिंह बघेल, शशिकला सिन्हा, बलदेव मंडावी और मीतू गुप्ता को ग्रीन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

माँ और शिक्षक मिलकर बनाएंगे बच्चों का उज्जवल भविष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय अंगना मां शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत संकुल नोडल एवं स्मार्ट माताओं का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम मंगल भवन, रामानुजनगर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू की विशेष उपस्थिति रही। विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामानुजनगर डी.एस. लकड़ा ने स्वागत उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने स्मार्ट माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा में माताओं और शिक्षकों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया कि दोनों मिलकर छात्रों को विद्यालय से निरंतर जोड़े रखें और घर में उनके विद्यालयीन अध्यापन की नियमित निगरानी करें। जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि 'अंगना मां शिक्षा' कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्राइमरी एवं प्री-प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों को गणित एवं भाषा की बुनियादी समझ दिलाने में माताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि माता बच्चे की प्रथम गुरु होती है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से माताओं को यह सिखाया जाएगा कि बच्चा घर में भी अपना अध्यापन निरंतर जारी रखे और विद्यालय में उसकी प्रतिदिन की उपस्थिति सुनिश्चित हो।

भावना बोहरा ने सड़क परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 21 करोड़ 7 लाख 98 हजार की लागत से प्रतापपुर चौक से दामापुर पुल तक कुल 12.70 किलोमीटर सड़क, 7 करोड़ 74 लाख 95 हजार की लागत से 3.65 किमी दमगढ़ से अमनिया सड़क एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 1 कारोड़ 91 लाख 88 हजार की लागत से पौनी से कोड़ापुरी तक 5.30 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य कुल 30 करोड़ 74 लाख 81 हजार रुपए के सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इन सड़कों के निर्माण से रूसेकापा, भगतपुर, कोलेगांव, सेमरकोना, निंगापुर, दामापुर, दमगढ़, अमनिया, पौनी, तिलईभाठ, नवापारा, तोरला, कोड़ापुरी सहित आस-पास के सैकड़ों ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह दिन पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन है। आज हम सब मिलकर 30 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर रहे हैं। यह केवल सड़कों का निर्माण नहीं है, बल्कि यह हमारे क्षेत्र के विकास, सुविधा और समृद्धि की नई राह है। यह सड़कें हमारे ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में सड़क आवागमन की सुविधा के साथ ही वहां व्यापर, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुँच एवं किसानों को अपनी उपज तथा सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगा।

आज जिन सड़कों का भूमिपूजन किया जा रहा है, वे लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग थीं। कांग्रेस सरकार के कुशासन में विगत 5 वर्षों तक पंडरिया विधानसभा को उपेक्षित और विकास कार्यों से कोसो दुर रखा गया। पंडरिया विधानसभा की जनता ने इस पक्षपात को समझा और प्रदेश एवं पंडरिया में भाजपा का कमल खिलाकर विकास व सुशासन की जो स्थापना की है आज उससे उनकी आकांक्षाएं पूरी हो रही हैं, क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है, जनहित की योजनाओं से जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है और हमारे किसान, महिला, युवा सशक्त हो रहें हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले हमारे भाइयों-बहनों के लिए सड़क केवल एक रास्ता नहीं होती, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास तक पहुँचने का सबसे बड़ा माध्यम होती है। जब सड़क बनती है तो गांव शहर से जुड़ता है, किसान की उपज बाजार तक पहुँचती है, बच्चों को स्कूल जाने में सुविधा होती है और मरीजों को समय पर इलाज मिल पाता है। आज पंडरिया विधानसभा में 400 किलोमीटर से अधिक की सड़कों का विस्तार हो रहा है। इसके साथ ही हर गाँव और नगर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण, प्रकाश एवं विद्युत् व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, शिक्षा व शैक्षणिक सुविधाओं का सुदृढ़ किया जा रहा है। आज इस भूमिपूजन के माध्यम से मैं विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि पंडरिया विधानसभा के विकास के लिए हमारा यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार के क्षेत्र में हम लगातार नए कार्य करेंगे ताकि हमारा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। आज 30 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाली ये सड़कें इस बात का प्रमाण हैं कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प को धरातल पर उतार रही है। मैं क्षेत्र की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मुझे सेवा का अवसर दिया। मैं आप सभी को विश्वास दिलाती हूँ कि सेवा और विकास का यह सफ़र निरंतर जारी रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश, प्रसूता माताओं को हरियाली की भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिबद्धता के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अभिनव पहल के तहत शासकीय अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को फलदार पौधे भेंट स्वरूप दिए जा रहे हैं, ताकि एक नई ज़िंदगी के आगमन के साथ एक नया वृक्ष भी धरती पर जन्म ले। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत आज ग्रीन पालना में अभनपुर में 05, धरसीवां में 01 कुल 06 महिला प्रसुताओं को 30 पौधे भेंट किए गए।

यह प्रयास मातृत्व के साथ प्रकृति से जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है। प्रोजेक्ट ग्रीन पालना न सिर्फ नवजात के जीवन की शुरुआत को यादगार बनाता है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरियाली और शुद्ध वातावरण की नींव भी रखूता है।

खास खबर

गाज की चपेट में आने से महिला पंच की मौत हुई

जशपुरनगर। ग्राम पंचायत चम्पा में रविवार शाम खराब मौसम के बीच गिरी आकाशीय बिजली (गाज) की चपेट में आने से वार्ड क्रमांक 16 की महिला पंच जासिंता पैकरा की मौके पर ही मौत हो गई। रविवार शाम लगभग 4 बजे अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हुई। इसी दौरान गिरी बिजली सीधे जासिंता पैकरा पर आ गिरी। झटका इतना जबरदस्त था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शासन से आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल उचित मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की है। विशेषज्ञों ने नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम में तुरंत किसी पक्के मकान की शरण लें। ऊंचे पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि ये बिजली को आकर्षित करते हैं।

घर में घुसकर मारपीट के आरोपी युवक दबोचा गया

जांजगीर। जांजगीर नवागढ़ थाना क्षेत्र में घर के अंदर घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। 8 मार्च को छोटे बाई चंद्रा ने थाना नवागढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि जमीन बंटवारे को लेकर पुरानी रंजिश के चलते आरोपी महावीर चंद्रा (56 वर्ष) निवासी कीरित, थाना नवागढ़ ने उनके घर में घुसकर अश्लील गाली-गलौज की और डंडे व हाथ-मुक्के से मारपीट की। पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में महावीर ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तालाब में नहाने के दौरान डूबा, किशोर की मौत

भिलाई। कोहका इलाके में स्थित भेलवा तालाब में नहाने के दौरान एक 16 वर्षीय लड़के की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कैंप-1 निवासी गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरप्रीत अपने दोस्तों और भाई के साथ तालाब गया था। दोस्तों को नहाता देखकर वो भी तालाब में नहाने उतर गया। इसी दौरान वह तालाब में उतरते ही गहराई में चला गया और बाहर नहीं निकल सका। परिजनों के मुताबिक जैसे ही वह तालाब में उतरा, कुछ ही देर में वह पानी में फंस गया। बताया जा रहा है कि तालाब के अंदर उसका पैर किसी चीज में फंस गया था, जिसकी वजह से वह बाहर नहीं निकल सका। जब तक दोस्तों और आसपास मौजूद लोगों को उसकी हालत का पता चला, तब तक काफी देर हो चुकी थी। आसपास के लोगों ने भी मदद की और काफी मशक्कत के बाद उसे तालाब से बाहर निकाला गया। इसके बाद तुरंत उसे इलाज के लिए भिलाई के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना आरंग पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरोपी सुनील कुर्रे (23 वर्ष) और कैलाश कुर्रे (22 वर्ष), निवासी सतनामी पारा नारा, थाना आरंग, जिला रायपुर, पीड़िता को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए। यह घटना 11मार्च.2026 की दरम्यानी रात ग्राम बरछा में हुई थी। पीड़िता की 15 वर्षीय बेटी को आरोपियों ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की कोशिश की। इस गंभीर मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। जांच के दौरान, पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षित बरामद किया। पीड़िता का कथन महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष दर्ज किया गया, जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ अप. क्र0.153/2026 के तहत धारा 137(2), 65(1), 87, 3(5) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 06 के तहत मामला दर्ज किया गया।

अफीम की खेती : दुर्ग पुलिस की गिरफ्त में आए दो और आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के समोदा में अफीम की खेती के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह दोनों आरोपी अफीम का बाजार तैयार करते थे। दोनों होटल-डाबा का संचालन करते हैं और वहीं से इसका व्यापार कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के पास से 304 ग्राम अफीम डोडा (चुक्की) एवं 1 लाख 29 हजार नकद जब्त किया है। दोनों को विधिवत कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

बता दें थाना पुलगांव अंतर्गत चौकी जेवरा-सिरसा धारा 8, 18, 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत ग्राम समोदा में अवैध अफीम की खेती के प्रकरण में पूर्व में आरोपी विकास बिश्नोई, विनायक ताम्रकार, मनीष उर्फ गोलू ठाकुर व छोटू राम को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। पुलिस रिमाण्ड के दौरान आरोपी विकास बिश्नोई से पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई कि अवैध रूप से की गई अफीम की खेती से उत्पादित डोडा (अफीम फल) को अन्य व्यक्तियों द्वारा खरीदकर अपने होटल/ढाबा में रखकर विक्रय किया जाता था। साथ ही यह भी जानकारी सामने आई कि आगे उत्पादित होने वाले डोडा को भी खरीदने की योजना आरोपियों द्वारा बनाई गई थी।

इसके आधार पर तकनीकी साक्ष्य एवं मेमोरण्डम कथन के आधार पर 15 मार्च को पुलिस टीम द्वारा बेमेतरा-सिमगा रोड स्थित ग्राम कठिया में रामदेव होटल एवं राजस्थानी हाईवे ढाबा में एनडीपीएस एक्ट में निहित वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए रेड कार्यवाही की गई। रेड कार्यवाही के दौरान आरोपी रणछोड़ राम उर्फ रणजीत के ढाबा के कमरे से 304 ग्राम अफीम डोडा (चुक्की) व 1 लाख 29 हजार नगद राशि एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

साथ ही आरोपी सुनील देवासी के पास से अफीम डोडा को चुक्की बनाने हेतु प्रयुक्त मिक्सी (जार सहित) एवं एक मोबाइल फोन जप्त किया गया। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है तथा प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है।

जंगल में जुटे नक्सली पुलिस को देख भागे, रायफल व कारतूस बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव औंधी क्षेत्र के कोहकाटोला में कैंप लगाकर जमे नक्सली पुलिस को देखकर भाग निकले। पुलिस ने करीब 1 किमी. तक नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन वे घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए।

आसपास कुछ ग्रामीण भी मौजूद थे, जिसे देखते हुए पुलिस ने फायरिंग नहीं की। एसपी वायपी सिंह ने बताया कि कोहकाटोला जंगल में आरकेबी डिवीजन के कुछ नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद टीम को सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। नक्सली कैंप लगाकर जंगल में मौजूद थे, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। करीब 5 की संख्या में मौजूद नक्सली घने जंगल की ओर छिपते हुए भागते रहे। पुलिस टीम ने उनका पीछा भी किया।

एसपी सिंह ने बताया कि जंगल के इस हिस्से में कुछ ग्रामीणों की मौजूदगी थी, जिसके चलते पुलिस ने फायरिंग नहीं की। हालाकि नक्सलियों के कैंप से इंसास रायफल, 15 जिंदा कारतूस सहित बड़ी संख्या में दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया है।

कोरबा के सीएसईबी कॉलोनी में युवक का शव मिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के सीएसईबी कॉलोनी में एक आवास से 26 वर्षीय मीडियाकर्मी इमानुएल तांडी का शव बरामद किया गया है। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी थी कि इमानुएल के आवास में कोई हलचल नहीं हो रही है। इसके बाद मौके पर पहुंची सिविल लाइन पुलिस ने कमरे के भीतर से युवक का शव बरामद किया।

फोन न उठाने पर परिजनों ने खिड़की तोड़कर खोला दरवाजा

बताया गया है कि मृतक के पिता सीएसईबी कर्मी थे और रिटायरमेंट के बाद वे दूसरे मकान में चले गए थे। इमानुएल तांडी अक्सर इस क्वार्टर में आता-जाता था और कभी-कभी यहीं रुक जाता था। परिजनों को लगा कि वह क्वार्टर में ही सो रहा होगा।

जब कई बार फोन करने पर भी उसने जवाब नहीं दिया, तो परिजन क्वार्टर पहुंचे। दरवाजा न खुलने पर अनहोनी की आशंका हुई। खिड़की तोड़कर दरवाजा खोला गया, जहां इमानुएल मृत अवस्था में पाया गया।

घटना की सूचना मिलने पर इमानुएल के माता-पिता और बहन मौके पर पहुंचे। इमानुएल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

इमानुएल तांडी लंबे समय से स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कैमरामैन के तौर पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। डॉक्टरी जांच में उन्हें शुगर (मधुमेह) की समस्या होने की पुष्टि हुई थी। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की आगे की जांच में जुट गई है।

ऑपरेशन शांति : 85 वारंटियों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा सजग कोरबा-सतर्क कोरबा के तहत ऑपरेशन शांति चलाकर जिला पुलिस स्थाई वारंट व गिरफ्तारी वारंट की तामिली के लिए कार्रवाई कर रही है। एसपी सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में एएसपी लखन पटेल व नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों को फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी करने कहा गया है। रविवार को सभी क्षेत्रों में एक साथ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार

85 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसमें 52 गिरफ्तारी वारंटी, 33 स्थाई वारंटी शामिल हैं। सभी वारंटियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। वार्ड-11 के नागरिकों की ओर शिकायत मिली कि सोमू तिवारी व छोटका प्रजापति शांति भंग कर रहे हैं। शिकायत पर कोरबा पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की है।

टॉर्च की रोशनी में जुआ, 7 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। सक्ती जिले के बाराद्वार थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम कड़ारी के पास दबिश देकर 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मौके से 17,500 रुपए नगद, 8 मोबाइल और 9 बाइक बरामद की हैं। पुलिस को 14 मार्च की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कड़ारी स्थित नाले के पास कुछ लोग मोबाइल की टॉर्च जलाकर जुआ खेल रहे हैं। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने टीम गठित कर मौके पर रेड मारी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर सात लोगों को दबोच लिया।

पुलिस ने इरशाद अहमद (43) पाढ़ी घाट चांपा, संतोष कुमार दिवाकर (42) सरहर बाराद्वार, सत्यनारायण देवांगन (34) संजय नगर चांपा, शिशाल पटेल (50) जोगीपाली कोरबा, नंद कुमार राठौर (34) झरना सक्ती, विजेंद्र टंडन (28) देवरी सारागांव और किशन लहरे (36) सरसीवा सारंगढ़-बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के पास से जुआ सामग्री के अलावा आवागमन में उपयोग की गई 9 बाइक भी जब्त की गई हैं। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जांजगीर-चांपा में बिना अनुमति प्रार्थना सभा को लेकर विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में बिना अनुमति प्रार्थना सभा आयोजित करने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। इस मामले में शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति बनने के बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत तहसील न्यायालय में पेश किया गया है।

यह घटना खरौद तिवारीपारा गांव की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 15 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि खरौद तिवारीपारा निवासी रमाशंकर साहू अपने घर पर कुछ लोगों को इकट्ठा कर बिना अनुमति प्रार्थना सभा कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर मोहल्ले के लोगों ने इसका विरोध किया।

विरोध पर मोहल्ले के लोगों के साथ हुआ विवाद

विरोध के दौरान वहां मौजूद कुछ महिला और पुरुषों ने मोहल्ले के लोगों के साथ विवाद और हंगामा शुरू कर दिया। इस स्थिति से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया और गांव में अशांति का माहौल बनने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही शिवरीनारायण थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और गवाहों की मौजूदगी में संबंधित लोगों को कई बार समझाने का प्रयास किया गया। हालांकि, वे शांत होने के बजाय उत्तेजित होकर जोर-जोर से चिल्लाने लगे, जिससे गांव में भय और अशांति का माहौल और गहरा गया।

पुलिस ने छह लोगों को किया गिरफ्तार

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इस दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में खरौद निवासी येनिवेश साहू (21 वर्ष), किशन यादव (23 वर्ष), रमाशंकर साहू (47 वर्ष) और सेमरिया थाना बिर्रा निवासी मोतीलाल रात्रे (35 वर्ष) के साथ दो महिलाएं भी शामिल हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत मामला दर्ज किया। वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें संबंधित तहसील न्यायालय में पेश किया गया।

बस की चपेट में आया युवक, इलाज के दौरान मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। नवागढ़ क्षेत्र के राछाभाटा चौक में शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शनिवार सुबह लगभग 7 बजे सिंह बस सर्विस की बस (सीजी 10 बीआर 7041) शिवरीनारायण से चिरमिरी की ओर जा रही थी।

बस नवागढ़ बस स्टैंड से निकलकर राछाभाटा चौक पहुंची ही थी कि सेमरा की ओर से आ रहे बाइक सवार पिंटू टंडन (18 वर्ष) बस के पिछले चक्के की चपेट में आ गए। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ पहुंचाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बिलासपुर के निजी अस्पताल रेफर किया, जहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। बताया गया कि पिंटू टंडन किसी रिश्तेदार के घर जा रहा था, तभी चौक पर हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने बस जब्त कर नवागढ़ थाना परिसर में खड़ा कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

8 माह में 4 दुर्घटनाएं: नवागढ़ का राछाभाटा चौक लगातार सड़क हादसों का हॉटस्पॉट बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले आठ महीनों में यहां चार बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें लगभग 12 लोग घायल हुए और हाल ही में एक युवक की जान चली गई।

लोगों का कहना है कि चौक की संरचना ही दुर्घटना का बड़ा कारण है। चारों दिशाओं से आने वाले मार्ग इस तरह जुड़ते हैं कि एक दिशा से आता वाहन दूसरी दिशा से साफनजर नहीं आता। जांजगीर से नवागढ़ आने वाला मार्ग, केरा की ओर जाने वाला रास्ता और कोटिया मार्ग इसी चौक पर मिलते हैं, जिससे वाहन चालकों को दूसरी दिशा से आने वाले वाहनों का अंदाजा नहीं हो पाता और हादसे हो जाते हैं।

फ्यूल चुराते सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

वाहन मालिकों ने की पुलिस-प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की मल्टीलेवल पार्किंग में खड़ी गाड़ियां इन दिनों चोरों के निशाने पर हैं। रविवार देर रात अज्ञात गिरोह पार्किंग में खड़ी गाड़ियों से पेट्रोल निकालने के साथ कीमती पार्ट्स भी चोरी कर रहा है, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

पार्किंग संचालक और वाहन स्वामियों ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग के आधार पर जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा पीड़ित वाहन मालिकों ने पुलिस और पार्किंग प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि देर रात

कुछ युवक बाइक और स्कूटी से पार्किंग के भीतर प्रवेश करते हैं। सुरक्षा गार्डों की नजर से बचकर आरोपी उन जगहों पर पहुंचते हैं, जहां रोशनी कम रहती है।

वीडियो में युवक बड़ी चालाकी से दोपहिया वाहनों की पेट्रोल पाइप निकालकर बोतलों में पेट्रोल भरते नजर आ रहे हैं। कुछ ही मिनटों में वाहन की टंकी खाली कर दी जाती है। वाहन मालिकों का कहना है कि चोर सिर्फ पेट्रोल तक सीमित नहीं हैं। गाड़ियों के साइड मिरर, क्लच लीवर समेत अन्य छोटे लेकिन महंगे स्पेयर पार्ट्स भी निकाल लिए जा रहे हैं। सुबह जब लोग ड्यूटी या काम के लिए वाहन लेने पहुंचते हैं तो गाड़ी स्टार्ट नहीं होती, तब चोरी का पता चलता है।

राजधानी के वीआईपी इलाके में स्थित इस सरकारी पार्किंग में सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी के बाद भी चोर बेखौफ वारदात कर रहे हैं। रात के समय किसी भी अनजान व्यक्ति का पार्किंग में प्रवेश कर जाना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित वाहन मालिकों ने पुलिस तथा पार्किंग प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवकों की पहचान करने में जुटी हुई है।

रेलवे स्टेशन के पास गांजा बेचते आरोपी पकड़ा गया

कोरबा। कोरबा सीतामणी समेत आसपास क्षेत्र में मादक पदार्थो की बिक्री के साथ ही असामाजिक तत्वों व बदमाशों के खिलाफ सिटी कोतवाली पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। शनिवार को ऐसे ही एक मुखबिर से पुलिस को रेलवे स्टेशन के पास रेलवे कॉलोनी में

घूमते हुए एक व्यक्ति के गांजा बेचने की सूचना मिली। कोतवाली पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर उक्त स्थान पर दबिश दी, जहां अश्वनी यादव (38) निवासी इमलीडुग्गू को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 180 ग्राम गांजा जब्त किया।

खास खबर

स्कूल का समय बदला : 7.30 बजे से लगेगी क्लास

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा परिपत्र जारी कर 16 मार्च से प्रातः 7.30 बजे से 11.30 बजे तक कक्षाएं लगाने का आदेश दिया गया है। परिपत्र सभी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूल और प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला को जारी कर दिया गया है। 16 मार्च से सुबह प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ हो रही है। प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित होगी। यह आदेश जिले की समस्त अशासकीय शालाओं पर भी लागू होगा तथा बोर्ड की परीक्षाएं एवं मूल्यांकन कार्य इस आदेश से प्रभावित नहीं होंगे। शेष निर्देश यथावत रहेंगे।

फ्लाई ऐश उद्योगों से फैल रहे प्रदूषण का मुद्दा संसद में गूंजा

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने संसद में कोरबा जिले में बढ़ती फ्लाई ऐश, लेगेसी ऐश और उद्योगों से फैल रहे प्रदूषण की गंभीर समस्या को उठाया। उन्होंने 100 प्रतिशत फ्लाई ऐश उपयोग का लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले विद्युत संयंत्रों से अब तक वसूले गए मुआवजा और अन्य कार्यवाही की जानकारी भी चाही। उन्होंने विशेष रूप से कोरबा जिले के ऐश पॉन्ड में पिछले तीन वर्षों में जमा लेगेसी ऐश की मात्रा और उसके वैज्ञानिक निपटान की समय-सीमा की जानकारी मांगने के साथ विद्युत संयंत्रों और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण का स्थानीय पर्यावरण, जल स्त्रोतों, कृषि और आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर पर चिंता जताई।

सफलता की कहानियां

बिहान : स्व सहायता समूह से जुड़कर नीरा ने खोली अपनी दुकान, बढ़ा आत्मविस्वास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्रामीण अंचल की महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वावलंबन का नया सवेरा छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं ने लाया है। सरगुजा जिले के ग्राम गुमराकलां की रहने वाली नीरा साहू इसका जीवंत उदाहरण हैं। बिहान (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) और महतारी वंदन योजना के संगम ने उन्हें एक साधारण गृहिणी से एक सफल उद्यमी बना दिया है।

नीरा साहू बताती हैं कि उनकी सफलता की कहानी सरस्वती स्व-सहायता समूह से जुड़ने के साथ शुरू हुई। समूह के माध्यम से उन्होंने 17,000 का ऋण प्राप्त किया, जिसे उन्होंने अपनी छोटी सी दुकान में निवेश किया। धीरे-धीरे दुकान चल पड़ी और उनकी आय में वृद्धि होने लगी।

महतारी वंदन से मिली मदद

नीरा के हौसलों को तब और उड़ान मिली जब उन्हें शासन की महतारी वंदन योजना का लाभ मिलना शुरू हुआ। उन्होंने इस सहायता राशि का सदुपयोग अपनी दुकान के विस्तार के लिए किया। आज वे न केवल अपनी दुकान का कुशलतापूर्वक संचालन कर रही हैं, बल्कि खेती-बाड़ी के कार्यों में भी हाथ बंटाकर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का सबसे बड़ा प्रभाव उनके बच्चों की शिक्षा पर पड़ा है। नीरा अपने तीनों बच्चों को मॉडल स्कूल में पढ़ा रही हैं। उनका कहना है कि पहले वे केवल घर तक सीमित थीं, लेकिन अब वे पूरे आत्मविश्वास के साथ व्यवसाय और परिवार दोनों की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

नीरा बताती हैं कि बिहान योजना महिलाओं में बदलाव ला रही है। आज ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता की ओर बढ रही हैं, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सहृदय आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि हम जैसी ग्रामीण महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर और संबल प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से बदली जयराम देवांगन की किस्मत

आदिवासी बहुल कोंडागांव जिले के विकासखंड कोंडागांव के ग्राम जरेबेंदरी निवासी कृषक जयराम देवांगन ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर मछली पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पूर्व में जयराम देवांगन धान एवं मक्का की खेती करते थे, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये की आय ही प्राप्त होती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार नहीं हो पा रहा था। वर्ष 2022-23 में उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत अपनी 1.40 हेक्टेयर भूमि में तालाब निर्माण का निर्णय लिया। लगभग 15.40 लाख रुपये की लागत से तालाब का निर्माण कराया गया। शासन से 6.16 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। उन्होंने आधुनिक तकनीक से मछली पालन के साथ-साथ मत्स्य बीज उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। मछली पालन से उन्हें लगभग 7 लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जो पहले की तुलना में छह गुना अधिक है। आज वे आत्मनिर्भर बनकर अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बने हैं। जयराम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा जिला प्रशासन और मत्स्य विभाग के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वे भविष्य में इस कार्य को और विस्तार देने की योजना बना रहे हैं।

महतारी वंदन से कृष्णा ने खोला अपना ब्यूटी पार्लर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। कोरबा जिले में भी महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर अपने जीवन को नई दिशा दे रही हैं। इन्हीं लाभार्थियों में से एक हैं कृष्णा कुर्रे। वो बताती हैं कि परिवार की जरूरतों को पूरा करने के बाहर जाकर काम करना उन्हें सहज नहीं लगता था। वे घर पर ही स्वरोजगार चाहती थी। इसी दौरान महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई। उन्होंने आवेदन किया और इसका लाभ मिलने लगा। योजना के तहत मिलने वाली राशि हर माह उनके बैंक खाते में जमा होने लगी। 12-15 हजार रुपये एकत्रित होने पर उन्होंने अपने घर पर ही ब्यूटी पार्लर शुरू करने का निर्णय लिया। आज वे अपने घर से ही यह कार्य संचालित कर रही हैं, जिससे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ आय का स्त्रोत भी मिल गया है। श्रीमती कुर्रे बताती हैं कि उनकी तीन बेटियां हैं और अब वे उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है और घर में खुशहाली आई है।

महतारी वंदन योजना से पूरा हो रहा गौरी का पढ़ाई जारी रखने का सपना

मुंगेली जिले के विकासखंड लोरमी के ग्राम झाफल की गौरी राजपूत परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं। गौरी ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी पढ़ाई और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री जुटाने के लिए कर रही हैं। इससे उन्हें अपने भविष्य को बेहतर बनाने का मौका मिल रहा है। इस आर्थिक सहायता ने न केवल उनकी पढ़ाई में मदद की है बल्कि परिवार की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में भी सहारा दिया है। पहले आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई जारी रखना कठिन लग रहा था, लेकिन अब नियमित सहायता से आत्मविश्वास बढ़ा है और आगे बढ़ने का हौसला मिला है। गौरी इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि यह योजना महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महतारी वंदन योजना से पूरी हो रही परमिला के बच्चों के पोषण और शिक्षा की जरूरतें

जशपुर जिला के ग्राम देवगुड़ा निवासी परमिला प्रजापति ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की राशि से अपने बच्चे की पढ़ाई और पोषण से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही वे घर की छोटी-छोटी जरूरतों को भी इसी राशि से पूरा कर लेती हैं। वे स्वयं निर्णय लेती हैं कि इस राशि का उपयोग किस प्रकार करना है। परमिला ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महतारी वंदन योजना से अम्बिकापुर की महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल - गायत्री

अम्बिकापुर के ग्राम पंचायत गुमगरा कला की निवासी गायत्री साहू ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना का नियमित लाभ मिल रहा है, जिससे उन्हें काफी राहत मिली है। योजना से मिलने वाली राशि से घर के छोटे-मोटे खर्च आसानी से पूरे हो जाते हैं और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी काफी सहयोग मिल रहा है। हर महीने मिलने वाली यह राशि बड़ी मदद साबित हो रही है। जिम्मेदारियों को निभाने में सहूलियत के साथ महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से हजारों महिलाओं का जीवन बेहतर बन रहा है।

बस्तर की तीन पंचायतों की महिलाओं ने उठाया गांवों को प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने का बीड़ा

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। जिले के जनपद पंचायत बस्तर के अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी, टिकनपाल और बालेंगा को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस उद्देश्य से शनिवार को तीनों पंचायतों में विशेष बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समग्र ग्राम विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सरपंच, उपसरपंच, वार्ड पंच, ग्रामीणों तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने और सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

इस अभियान में महिला शक्ति की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं घर-परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। महिलाएं ग्रामीणों को एकल उपयोग प्लास्टिक के नुकसान के बारे में बता रही हैं और कपड़े के थैले तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

बैठक में ग्रामीणों को बताया गया कि एक आदर्श और स्वस्थ गांव का निर्माण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी क्रम में घर-घर कचरा पृथक्करण (सेग्रिगेशन) पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को समझाया गया कि यदि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखा जाए तो कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन अधिक आसान और प्रभावी हो सकता है। साथ ही गांव की गलियों को स्वच्छ रखने के लिए घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी सहमति बनी।

घरेलू शौचालयों के नियमित उपयोग पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने खुले में शौच की प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त करने की समझाइश दी। अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और महिला समूहों ने मिलकर अपने गांव को स्वच्छ, स्वस्थ और प्लास्टिक मुक्त मॉडल ग्राम पंचायत बनाने की शपथ ली।

कलेक्टर ने किया थोक में पटवारियों का तबादला

बलरामपुर। जिले में हाल ही में सामने आए अवैध अफीम की खेती के मामलों के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने एक साथ 58 पटवारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इसके तहत कई तहसीलों में वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ पटवारियों को हटाकर अन्य स्थानों पर भेजा गया है। राजपुर, रामानुजगंज, कुसमी, वाड्रफनगर, शंकरगढ़, रघुनाथनगर और बलरामपुर सहित कई तहसीलों के पटवारियों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण किया गया है। प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राजस्व व्यवस्था में कसावट लाना, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ कर्मचारियों के कारण बन रही प्रशासनिक ढिलाई को दूर करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

किस्मत बदल रही इमली, तुआरास-चितापुर की महिलाओं ने सुनाई सफलता का कहानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इमली प्रसंस्करण समिति चितापुर की महिला समूह की दीदियों ने अपनी मेहनत और लगन के बूते यह सिद्ध कर दिया है कि यदि ग्रामीण संसाधनों का सही तरीके से प्रसंस्करण किया जाए, तो आर्थिक स्वावलंबन की राह आसान हो जाती है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित उत्पादक समूह आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति की दीदियों ने इमली के परंपरागत संग्रहण को एक आधुनिक और लाभप्रद व्यवसाय का रूप दे दिया है। समूह की इन महिलाओं द्वारा किए जा रहे इसी उत्कृष्ट और संगठित कार्य को पिछले दिनों राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में विशेष रूप से रेखांकित करते हुए उन्हें मंच पर सम्मानित किया गया।

बस्तर जिले के दरभा विकासखंड अंतर्गत सुदूर ग्राम तुआरास-चितापुर की महिलाओं ने अपनी मेहनत और नवाचार से इमली को वनांचल की किस्मत बदल देने वाली फसल साबित कर दिखाया है। इस समूह की कार्यप्रणाली पूर्णतः पेशेवर और गुणवत्ता पर आधारित है, जहाँ महिलाएँ स्वयं इमली की खरीदी सुनिश्चित करती हैं।

खरीदी के उपरांत समूह की सदस्य बड़ी ही कुशलता से इमली का रेशा और बीज निकालकर उसे पूरी तरह शुद्ध करती हैं। महिलाओं के इसी हुनर का परिणाम है कि आज वे साधारण इमली से उच्च गुणवत्ता वाला इमली फूल और विशेष रूप से इमली चपाती तैयार कर रही हैं, जिसकी बाजार में भारी मांग है।

आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति चितापुर की सदस्य पदमिनी कश्यप बताती हैं कि अब ग्राहकों की सुविधा और बाजार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन उत्पादों की 200 ग्राम, 500 ग्राम और 1000 ग्राम के आकर्षक पैकेटों में पैकेजिंग कर स्वयं इसका विक्रय भी संभाल रही हैं।

बिहान योजना के माध्यम से एकजुट होकर इन महिलाओं ने न केवल अपनी आय में वृद्धि की है, बल्कि लखपति दीदी बनने की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाया है। कार्यक्रम में इन महिलाओं के अटूट परिश्रम और उद्यमशीलता की मुक्त कंठ से सराहना की गई, जो आज पूरे बस्तर संभाग के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई हैं। यह सम्मान दरभा की उन सैकड़ों महिलाओं के सामूहिक प्रयास की जीत है, जो अब आर्थिक रूप से सुदृढ़ होकर समाज की मुख्यधारा में अपना स्थान बना रही हैं।

जशप्योर स्टॉल : वनवासियों के सुपरफूड महुआ को मिली नई पहचान, इसमें हैं सेहत और पोषण से जुड़े कई तत्व

'परम्परा से पहचान' थीम पर आयोजति आदि परब में बटोरी सुर्खियां, बना रहा आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर द्वारा 13-14 मार्च 2026 को आयोजित आदि परब-2026 कार्यक्रम 'परम्परा से पहचान' थीम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प और वन आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों, शोधकर्ताओं, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भाग लिया। इस आयोजन में जशपुर जिले के ब्रांड जशप्योर द्वारा भी स्टॉल लगाया गया, जिसे आगंतुकों, अधिकारियों और विशेषज्ञों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई। स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पादों की उच्च गुणवत्ता, पारंपरिक प्रसंस्करण पद्धति और प्रीमियम पैकेजिंग को लेकर लोगों ने विशेष रुचि दिखाई।

स्टॉल का मुख्य आकर्षण महुआ आधारित उत्पाद रहे। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने महुआ के पारंपरिक उपयोगों के साथ-साथ उसे पोषण से भरपूर एक प्राकृतिक सुपरफूड के रूप में प्रस्तुत करने की पहल की सराहना की। जय जंगल द्वारा महुआ को केवल पारंपरिक मद्य से जोड़कर देखने की धारणा से बाहर निकालते हुए उसे स्वास्थ्य, पोषण और पारंपरिक खाद्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करता दिखाई दिया।

जशप्योर, जशपुर जिले से शुरू हुई एक पहल है, जिसका उद्देश्य जंगल और जनजातीय समुदायों से जुड़े पारंपरिक खाद्य संसाधनों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा तक पहुँचाना है।

यह पहल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच से प्रेरित है जिसमें महुआ को केवल शराब तक सीमित न रखकर उसे पोषण, स्वास्थ्य और जनजातीय आजीविका के महत्वपूर्ण स्त्रोत के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है।

आदि परब-2026 में जशप्योर का प्रतिनिधित्व अनिश्वरी भगत एवं प्रभा साय द्वारा किया गया, जिन्होंने आगंतुकों को उत्पादों की विशेषताओं, पारंपरिक प्रसंस्करण विधियों तथा महुआ के पोषण महत्व के बारे में जानकारी दी।

जशप्योर के माध्यम से महुआ, मिलेट्स और पारंपरिक रूप से संसाधित चावल जैसे उत्पादों को आधुनिक उपभोक्ताओं तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें जनजातीय महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पहल न केवल पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी सशक्त बना रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950